राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,26 दिसंबर 2022 वर्ष-5,अंक-329 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

31 दिसंबर को खत्म हो रहा UP के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र का कार्यकाल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। दुर्गा शंकर मिश्र को विस्तार मिलेगा या किसी अन्य अफसर को तैनाती मिलेगी, इसको लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। वहीं सेवा विस्तार न होने की स्थिति में अन्य सीनियर आईएस अफसरों के नामों का चर्चा शुरू हो गई है। चर्चा यह भी किसी अफसर को कुछ दिनों के लिए कार्यवाहक भी बनाया जा सकता है। वर्ष 1984 बैच के वरिष्ठ आईएएस अफसर दुर्गा शंकर मिश्रा को यूपी सरकार द्वारा 28 दिसंबर को केंद्र को भेजे गए प्रस्ताव के आधार पर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से यूपी के लिए कार्यमुक्त करने के साथ ही एक साल का सेवा विस्तार भी दिया गया था। इससे पहले दुर्गा शंकर मिश्रा केंद्र में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में सचिव के पद पर तैनात थे। उन्होंने देशभर में मेट्रो रेल के साथ ही स्मार्ट सिटी, अमृत, स्वच्छ भारत मिशन, नमामि गंगे जैसी परियोजनाओं के लिए बेहतर काम किया। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र का कार्यकाल 31 दिसंबर को खत्म हो रहा है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र के सेवा विस्तार के लिए अभी तक प्रदेश की सरकार ने केंद्र सरकार को कोई पत्र नहीं लिखा है। ऐसे में तरह-तरह की चर्चाएं हैं।

इन्हें मिल सकती है जिम्मेदारी -मुख्य सचिव वरिष्ठ आईएएस अफसर दुर्गा शंकर मिश्रा के कार्यकाल खत्म होने पर अगर उन्हें सेवा विस्तार नहीं मिलता है तो अब सरकार 1987 या 1988 बैच के किसी अफसर को मुख्य सचिव बना सकती है। दरअसल, दुर्गा शंकर के बाद यूपी कैडर में सबसे सीनियर आईएएस राजेंद्र कुमार तिवारी हैं। वह यूपी के पूर्व मुख्य सचिव रह चुके हैं। वह भी फरवरी 2023 में फरवरी में रिटायर होने वाले हैं। ऐसे में राजेंद्र कुमार तिवारी को फिर से मुख्य सचिव बनाए जाने की उम्मीद कम है। वहीं, 1986 बैच का अब कोई अफसर नहीं बचा है।

क्रिसमस पर राष्ट्रपति मुर्मू व पीएम मोदी ने दी बधाई, केरल के चर्च में लोगों ने की प्रार्थना

नई दिल्ली। क्रिसमस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देशवासियों को बधाई दी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, इस दिन हम प्रभु यीशु मसीह के करुणा और बलिदान के संदेश को याद करते हैं। यह त्योहार हमें एकदूसरे के प्रति दया और प्रेम की भावना रखने की प्रेरणा देता है। आइए, हम प्रभु यीशु मसीह के पवित्र आदर्शों व शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लें। राष्ट्रपति ने कहा, मैं सभी देशवासियों, विशेषकर ईसाई भाइयों और बहनों को क्रिसमस के त्योहार की हार्दिक बधाई देती हूं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को बधाई देते हुए कहा, यह विशेष दिन हमारे समाज में सद्भाव और आनंद की भावना को आगे बढ़ाए। उन्होंने ट्वीट किया, ÷मेरी क्रिसमस! यह विशेष दिन हमारे समाज में सद्भाव और आनंद की भावना को आगे बढ़ाए। हम प्रभु ईसा मसीह को उनके महान विचारों और समाज की सेवा पर जोर देने के लिए याद करते हैं।

खरगे ने भी दी बधाई

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी

क्रिसमस के मौके पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने लिखा, क्रिसमस का त्योहार भाईचारे, सहिष्णुता और एक-दूसरे के प्रति प्रेम के मूल्यों को मजबूत करने की सीख देता है। यह खुशी का अवसर सभी के लिए सुख और समृद्धि लाए।

ममता बनर्जी ने की प्रार्थना

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता में कैथेड्रल ऑफ द मोस्ट होली रोजरी पहुंची यहां उन्होंने प्रार्थना की।

प्रार्थना में शामिल हुए लोग

क्रिसमस के अवसर पर केरल के सेंट जोसेफ मेट्रोपॉलिटन कैथेड्रल, पलायम, तिरुवनंतपुरम में मध्यरात्रि सामूहिक प्रार्थना आयोजित की गई।

कर्नाटक में की गई प्रार्थना

क्रिसमस के मौके पर कर्नाटक के बेंगलुरु के सेंट जॉन्स चर्च में आधी रात को सामूहिक प्रार्थना हु

महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया गया क्रिसमस -क्रिसमस के मौके पर मुंबई के माहिम में सेंट माइकल चर्च में आधी रात को सामूहिक प्रार्थना हुई।

कृतज्ञ राष्ट्र ने पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी को किया नमन

कृतज्ञ राष्ट्र ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' को उनकी जयंती पर नमन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समाधि स्थल पहुंचकर वाजपेयी का पुण्य स्मरण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ट्वीट में कहा- 'अटल जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। भारत के लिए उनका योगदान अमिट है। उनका नेतृत्व और दृष्टिकोण लाखों लोगों को प्रेरित करता है।' प्रधानमत्री ने सुबह वाजपेयी की समाधि 'सदैव अटल' पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत अन्य मंत्रियों और नेताओं ने भी अटल बिहारी वाजपेयी को 'सदैव अटल' पर श्रद्धांजलि दी।

273 ट्रेनें कैंसल, 46 का समय और रूट बदला; कोहरे की वजह से बढ़ी दिक्कतें

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि आगामी एक सप्ताह उत्तर भारतीय राज्यों में कोहरे से राहत नहीं मिलने वाली। खासकर, दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर और मध्य भारतीय हिस्सों मध्यप्रदेश और राजस्थान में कोहरे की मार लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। कोहरे का असर रेलवे पर भी पड़ रहा है। सरकारी वेबसाइट के मुताबिक, रविवार को 273 ट्रेनें कैंसल हो गई हैं। जबकि 46 ट्रेनों के समय और रूट में बदलाव किया गया है। हालांकि यह आंकड़े स्पष्ट नहीं है कि ट्रेनों में ये बदलाव सिर्फ कोहरे की वजह से ही हुआ है, कुछ ट्रेनों के रद्द और रूट चेंज होने की वजह स्टेशनों की मरम्मत कार्य भी है। भारतीय रेलवे की वेबसाइट एनटीईएस के मुताबिक, रविवार को 273 ट्रेनों को कैंसल किया गया है। जबकि, 18 ट्रेनें समय से देरी से चल रही हैं और 28 ट्रेनों के रूट को डायवर्ट किया गया है। मामले के जानकार अधिकारियों ने बताया कि सिर्फ कोहरा ही नहीं कई जगहों पर स्टेशनों के आस-पास मरम्मत कार्य के चलते भी ट्रेनों को कैंसल और रूटों में बदलाव किया गया है।

ये ट्रेनें कैंसल

सुबह 10 बजे तक जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 273 ट्रेनों को रद्द किया गया है। जिनमें मिराज जंक्शन से कोल्हापुर, पठानकोट से

ज्वालामुखी रोड आने-जाने वाली, शामली से दिल्ली आने-जाने वाली, धुरी से बठिंडा आने-जाने वाली, कोलकाता से गुवाहाटी, दार्जिलिंग की 4 ट्रेनें, वाराणसी से बरकाकाना (झारखंड) आने-जाने वाली, दिल्ली से सहारपुर समेत कई ट्रेनें शामिल हैं।

ये ट्रेनें देरी से चल रही-देरी से चलने वाली ट्रेनों में रेवाड़ी से दिल्ली, अमृतसर से जयनगर, रामेश्वरम से मदुरै, विरंगना से लखनऊ, बरेली से भुज, बिहार के रकसुल जंक्शन से हैदराबाद समेत कुल 18 ट्रेनें शामिल हैं।

लखनऊ में बड़ा हादसा, तेज रफ्तार सरकारी नंबर की कार नाले में गिरी, 4 दोस्तों की मौत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आईआईएम के पास रविवार तड़के सड़क हादसा हो गया है। सैरपुर के नरहरपुर इलाके में सरकारी नंबर की एक कार अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी। कार में उपभोक्ता फोरम के सेवानिवृत्त जज के ड्राइवर के बेटे समेत पांच लोग सवार थे। जिसमें से चार की मौत हो गई वहीं एक का ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। इंस्पेक्टर सैरपुर के मुताबिक उपभोक्ता फोरम के सेवानिवृत्त जज के ड्राइवर अमरनाथ यादव का बेटा संदीप अपने दोस्त, निखिल शुक्ला, अंकित श्रीवास्तव व सत्यम पाण्डेय व एक अन्य साथी के साथ शनिवार देर रात कार से कहीं जा रहा था।

कार नरहरपुर के पास आईआईएम रोड के पास पहुंची ही थी तभी अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी। देर रात हुए हादसे के बारे कुछ पता नहीं चल सका। सुबह करीब सात बजे हादसे की सूचना मिली। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आसपास के लोगों की मदद से पांचों कार सवार को बाहर निकाल कर अस्पताल भेजवाया। जहां संदीप, निखिल, अंकित व एक अन्य को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वही सत्यम का इलाज चल रहा है।

राजधानी लखनऊ में आईआईएम के पास रविवार तड़के सड़क हादसा हो गया है। हादसे में कार अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई। इस दुर्घटना में रिटायर्ड जज के ड्राइवर के बेटे समेत 4 दोस्तों की मौत हो गई है।

सभी लोग मड़ियांव इलाके के रहने वाले थे।

नीलामी में खरीदी थी कार

संदीप के पिता अमरनाथ उपभोक्ता फोरम के सेवानिवृत्त जज के ड्राइवर हैं। अमरनाथ ने यह सरकारी नंबर की कार नीलामी में खरीदी थी। उसी कार में आज बेटे की जान चली गई।

तेलुगु फिल्म अभिनेता चलपथी राव का दिल का दौरा पड़ने से निधन

हैदराबाद। दिग्गज तेलुगु फिल्म अभिनेता और निर्माता टी चलपथी राव का रविवार को यहां उनके आवास पर दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे और उनके परिवार में उनकी पत्नी इंदुमती, दो पुत्रियां और एक पुत्र है। उनका पुत्र रवि बाबू भी टॉलीवुड में अभिनेता, निर्देशक और निर्माता हैं। श्री राव को तेलुगु सिनेमा में हास्य और खलनायक की भूमिकाओं के लिए जाना जाता था।

वह आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के बालिपरू के रहने वाले थे और उन्होंने 600 से अधिक फिल्मों में काम किया था। श्री राव ने वरिष्ठ एन टी रामाराव के प्रोत्साहन से फिल्म उद्योग में प्रवेश किया और 1966 में रिलीज हुई फिल्म गुदाचारी 116 से शुरुआत की। उनको सीनियर एनटीआर, कृष्णा, अक्किनेनी नागार्जुन, चिरंजीवी और वेंकटेश की फिल्मों में सहायक अभिनेता और खलनायक के रूप में सभी से प्रशंसा मिली।

उन्होंने कलियुग कृष्णडु, कडपा रेड्डम्मा, जगन्नाटकम पेलेंटे नुरेला पंटा, प्रेसिडेंटिगारी अल्लुडू, अर्धरात्रि हत्यालु और रक्तम चिंदिना रात्री जैसी फिल्मों का निर्माण किया।

श्री राव के पार्थिव शरीर को उनके पुत्र रवि बाबू के बंजारा हिल्स स्थित घर पर अंतिम दर्शन के लिए रविवार दोपहर तक रखा जाएगा। अंतिम संस्कार बुधवार को दोपहर तीन बजे के बाद उनकी बेटी के अमेरिका से आने के बाद किया जाएगा। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने ट्विटर पर कहा, मुझे यह जानकर गहरा दुख हुआ कि प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता श्री चलपथी राव का निधन हो गया। मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं।

चीन-जापान समेत 5 देशों से आने वालों की जांच जरूरी; राज्यों में हेल्थ सेंटर्स पर मॉक ड्रिल के आदेश

नई दिल्ली। देश में कोरोना के खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार अलर्ट हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि चीन, जापान सहित 5 देशों से आने वाले यात्रियों के लिए RT-PCR टेस्ट जरूरी होगा। यदि इन देशों के किसी भी यात्री में कोविड-19 के लक्षण पाए जाते हैं या टेस्ट पॉजिटिव पाया जाता है तो इन लोगों को क्वारैंटाइन किया जाएगा। इधर,केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने राज्यों को एक बार फिर लेटर लिखा है। उन्होंने 27 दिसंबर को देशभर में कोविड से जुड़ी हेल्थ सेंटर्स में मॉक ड्रिल करने करने को कहा है। खासकर ऑक्सीजन प्लांट और वेंटिलेटर को लेकर राज्यों को आगाह किया।

विदेशों से आने वालों का RT-PCR टेस्ट जरूरी

सरकार ने चीन, जापान सहित 5 देशों से आने वाले यात्रियों के लिए RT-PCR टेस्ट जरूरी कर दिया है। स्वास्थ्य मंत्री मांडविया ने कहा कि 'टेस्ट-ट्रैक-ट्रीट-वैक्सीनेट' और बचाव के तरीकों का पालन करना ही कोविड मैनेजमेंट के लिए सबसे कारगर रणनीति होगी। राज्यों को सलाह दी जाती है कि वे अपना सर्विलांस सिस्टम मजबूत बनाएंगे, टेस्टिंग की प्रक्रिया में

तेजी लाएंगे और अस्पतालों के इन्फ्रास्ट्रक्चर की तैयारी सुनिश्चित करेंगे।

केंद्र का राज्यों को निर्देश- ऑक्सीजन की कमी न हो, मशीनें दुरुस्त रखें

इससे पहले स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को राज्यों को छह-सूत्रीय कोविड एडवाइजरी जारी की। मंत्रालय ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि ध्यान रखें कि ऑक्सीजन सिलेंडर की सप्लाई में कमी न आए। वेंटिलेटर और ऑक्सीजन सप्लाई की मशीनें दुरुस्त रखी जाएं।

आर्मी की एडवाइजरी-पॉजिटिव होने पर 7 दिन क्वारैंटाइन-देश में कोरोना के बढ़ते खतरे के बीच इंडियन आर्मी ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें जवानों को कोविड प्रोटोकॉल जैसे मास्क पहनने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए कहा गया है। वहीं, लक्षण वाले जवानों का कोरोना टेस्ट करने और पॉजिटिव आने पर 7 दिनों के लिए क्वारैंटाइन करने के आदेश दिए गए हैं।

बीजेपी विधायक सहित 10 नेताओं को एक साल की सजा, 11 साल पहले कॉलेज में प्रोफेसर के मुंह पर पोती थी कालिख

मध्य प्रदेश के खंडवा के बहुचर्चित कालिख कांड में स्पेशल कोर्ट ने भाजपा विधायक राम दांगोरे (क्ष्ध्क्क स्र्ऱ ऋड्डद्व ष्ठड्डठ्ठद्दश्वहृद्ग) समेत 10 नेताओं को एक-एक साल की सजा सुनाई है। दोषियों ने 11 साल पहले छात्र संगठन एबीवीपी में रहते हुए एग्रीकल्चर कॉलेज के प्रोफेसर के चेहरे पर कालिख पोत दी थी। मार्च 2011 में हुई इस घटना में राम दांगोरे सहित 10 लोगों को आरोपी बनाया गया था। इसके अगले दिन एक अन्य प्रोफेसर की जान चली गई थी, जिसे इस कांड से भी जोड़कर देखा गया था। कोर्ट ने छात्र राजनीति में संयमित रहने की नसीहत देते हुए सभी को जमानत पर रिहा कर दिया।

खंडवा जिले में 9 मार्च वर्ष 2011 में घटित हुई घटना में छात्राओं से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा किए प्रदर्शन के दौरान छात्र-छात्राओं ने कृषि महाविद्यालय के प्रोफेसर अशोक चौधरी की जमकर पिटाई कर दी थी और उनके मुंह पर कालिख पोत दी थी।

भगवंतराव मंडलोई कृषि कॉलेज में 9 मार्च 11 को प्रोफेसर अशोक चौधरी के मुंह पर कालिख पोतने वाले आरोपियों में मुख्य आरोपी अश्विनी साहू था। कालिख कांड में कोतवाली पुलिस ने एबीवीपी के 11 सदस्यों पर आईपीसी धारा 353, 332, 294, 56, 427, 147, 149 सहित एससी/एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में वर्तमान में पंधाना से भाजपा विधायक राम दांगोरे, भाजयुमो के जिलाध्यक्ष अनूप पटेल, विधायक के करीबी अश्विनी साहू, राहुल डोडे, रोहित मिश्रा, अंकित अवस्थी, कैलाश साहू, ज्योति वालिजंकर, सोनाली, आशीष तायड़े को पुलिस ने आरोपी बनाया था।

चाचा शिवपाल का साथ मिलते ही अखिलेश यादव ने बनाया बड़ा प्लान, मध्य प्रदेश में विधानसभा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी सपा

इनमें से आरोपी राम दांगोरे ने भाजपा के टिकट पर 2018 में आदिवासी आरक्षित सीट पंधाना से विधानसभा का चुनाव लड़कर जीत हासिल की थी। इसके बाद आरोपी राम दांगोरे के विधायक होने के कारण कालिख कांड का केस विशेष न्यायालय (एमपी-एमएलए कोर्ट) में चला गया। आखिरकार, 11 साल बाद इस बहुचर्चित कालिख कांड में सभी आरोपियों पर दोष सिद्ध हुआ। फरियादी प्रोफेसर अशोक चौधरी व अन्य गवाहों के कोर्ट में बयान हुए थे।

क्या हुआ था 11 साल पहले?

उक्त घटनाक्रम में कृषि महाविद्यालय के हॉस्टल में छात्राओं ने एक वरिष्ठ छात्रा की शिकायत डीन से की थी। साथ ही एक प्रोफेसर अशोक चौधरी पर भी छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। छात्राओं के मुताबिक, इस प्रोफेसर ने कॉलेज की छात्राओं को इंटर्नशीप के बदले यौनाचार की मांग की थी। इस मामले में एबीवीपी के कार्यकर्ताओं के साथ छात्राएं कॉलेज पहुंचीं और कॉलेज में जमकर हंगामा किया। एबीवीपी कार्यकर्ताओं का आरोप था कि कॉलेज की एक सीनियर छात्रा ने लगातार शिकायतें कीं, लेकिन कॉलेज प्रशासन ने कोई एक्शन नहीं लिया और इसी के विरोध में आज एबीवीपी कार्यकर्ता ने कॉलेज पहुंचकर प्रोफेसर का मुंह काला कर जमकर पिटाई की। इस सिलसिले में छात्र-छात्राओं ने एबीवीपी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर डीन से मुलाकात की थी और वरिष्ठ छात्रा के अलावा प्रोफेसर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। छात्रों की मांग पर प्रोफेसर चौधरी को डीन के कक्ष में बुलाया गया। इसी दौरान वहां मौजूद एबीवीपी कार्यकर्ताओं और छात्र-छात्राओं ने हंगामा करना प्रारंभ कर दिया व चौधरी से मारपीट की। कुछ आक्रोशित छात्रों ने प्रोफेसर के चेहरे पर कालिख पोत दी थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

दुनिया की फिक्र

महत्वपूर्ण बात यह है कि सभी देश वर्ष 2030 तक धरती व समुद्र के तीस फीसदी हिस्से को प्रकृति के अनुरूप संरक्षित करेंगे। साथ ही खास बात यह कि कृषि के लिये दी जा रही उस सब्सिडी में पांच सौ अरब डॉलर की कमी लायी जायेगी जो हमारे जलवायु संकट को बढ़ाने में भूमिका निभाती है।

जैव विविधता संरक्षण की जगी उम्मीदें/ ऐसे वक्त में जब दुनिया तमाम खेमों में बंटी है कनाडा के मांट्रियल में संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन यानी कॉप-15 में निर्णायक समझौते पर पहुंचना सार्थक प्रगति है। समझौते को लेकर 196 देशों ने सहमति जतायी है। यह भारत की मुहिम की सफलता मानी जा रही है कि तमाम लक्ष्यों का स्वरूप वैश्विक रखा गया है। साथ ही यह छूट भी दी गई है कि समझौते में शामिल देश अपनी प्राथमिकताओं, परिस्थितियों तथा क्षमताओं के अनुसार इसके प्रावधानों का अनुपालन करें। महत्वपूर्ण बात यह है कि सभी देश वर्ष 2030 तक धरती व समुद्र के तीस फीसदी हिस्से को प्रकृति के अनुरूप संरक्षित करेंगे। साथ ही खास बात यह कि कृषि के लिये दी जा रही उस सब्सिडी में पांच सौ अरब डॉलर की कमी लायी जायेगी जो हमारे जलवायु संकट को बढ़ाने में भूमिका निभाती है। ऐसे हालात में जब पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से मौसम में आये बड़े बदलावों से होने वाली क्षति से जूझ रही है, यह समझौता उम्मीद जगाने वाला है। दरअसल, अब तक जो विकसित देश जिम्मेदारी से बचने की कोशिश में रहते थे, वे अब क्लाइमेट चेंज के घातक प्रभावों को अपने देश में महसूस करने लगे हैं। यही वजह है कि उन्होंने समझौते के पक्ष में हामी भरी है। निस्संदेह इस समझौते के क्रियान्वयन को लेकर तमाम तरह के किंतु-परंतु जुड़े हैं, लेकिन फिर भी समझौते ने आगे की राह तो बनायी है। मौजूदा 17 फीसदी संरक्षित पृथ्वी के हिस्से को अगले सात वर्षों में तीस फीसदी तक ले जाना भी एक बड़ी चुनौती होगी। इसके लिये विकास के तौर-तरीकों व नीतियों में बदलाव की दरकार होगी। जिसके लिये विकासशील देशों व गरीब मुल्कों को अतिरिक्त धन जुटाना होगा। अब देखना होगा कि पर्यावरण सुधारने व कार्बन उत्सर्जन पर नसीहत देने वाले विकसित देश समझौते को लागू करने के लिये कितना आर्थिक योगदान देते हैं। संभव है ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों की आंच घर तक पहुंचने के बाद उनका रवैया बदले। बहरहाल, इस संकटकाल में भारत की पहल पर वैश्विक सहमति महत्वपूर्ण कही जा रही है। हमारी पहल पर सभी लक्ष्यों का वैश्विक स्वरूप रखा जायेगा ताकि सभी देश अपनी क्षमताओं व प्राथमिकताओं के आधार पर समझौते को क्रियान्वित कर सकें। बहरहाल, ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से दुनिया को बचाने के लिये तमाम राष्ट्र सजग-सहमत तो हुए हैं। यह अच्छी बात है कि विकासशील देशों में 2025 तक बीस अरब डॉलर व उसके बाद 2030 तक हर साल तीस अरब डॉलर की वित्तीय मदद की सहमति बनी है। इस बात को भी स्वीकारा गया कि जैव-विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा की जायेगी । निस्संदेह, इस कदम से उनका विस्थापन रोकने में मदद मिलेगी। दरअसल, भारी-भरकम विकास के नाम पर करोड़ों आदिवासियों का दुनिया में विस्थापन हुआ है। उन्हें उनके मूल अधिवास से ही खदेड़ दिया गया। उन्होंने औद्योगीकरण की बड़ी कीमत चुकाई है।

सूक्ति

आपका कोई भी काम महत्वहीन हो सकता है पर महत्त्वपूर्ण यह है कि आप कुछ करें।
- महात्मा गांधी

मासिक वेतन पूरनमासी का चाँद है जो एक दिन दिखाई देता है और घटते घटते लुप्त हो जाता है।
- प्रेमचंद

लॉफिंग ज़ोन

मोहन, '' मैं तुम्हारे सामने वाली इमारत पर बिना हांफे चढ़ सकता हूं।''

सोहन,''नहीं चढ़ सकते।'' मोहन, ''अच्छा,अगर चढ़ जाऊं तो तुम मुझे क्या दोगे ?'' सोहन, ''धक्का।''

□ □ □

टिकट चैकर ने टिकट मांगी तो आदमी बोला मेरे पास टिकट नहीं।

चैकर ने पूछा, ''अगर टिकट नहीं तो तुम सफर कैसे कर रहे हो ?''

जवाब मिला, ''जैसे बैरंग लिफाफा करता है।''

□ □ □

सेठ किफायत दास अपने बेटे की फिजूलखर्ची से काफी परेशान थे। परेशान होकर एक दिन उन्होने कह ही दिया, ''अब मैं तुम्हें एक भी पैसा नहीं दूंगा,समझे ?''

बेटा बोला, ''मगर क्यों डैडी ?''

सेठ, ''इसलिए कि अब तुम मेरे लिए मर चुके हो।''

बेटे ने सिर झुका कर मायूसी से कहा, ''तो अंतिम संस्कार के लिए ही कुछ रूपये दे''

□ □ □

मरीज (डॉक्टर से)- मुझे अजीब सी बीमारी हो गई है ... जब मेरी बीवी बोलती है तो मुझे कुछ सुनाई नहीं देता।

डॉक्टर- ये बीमारी नहीं खुदा की नियामत है।

काश! अपने गिरेबां में भी झांकते बिलावल

पुष्परंजन

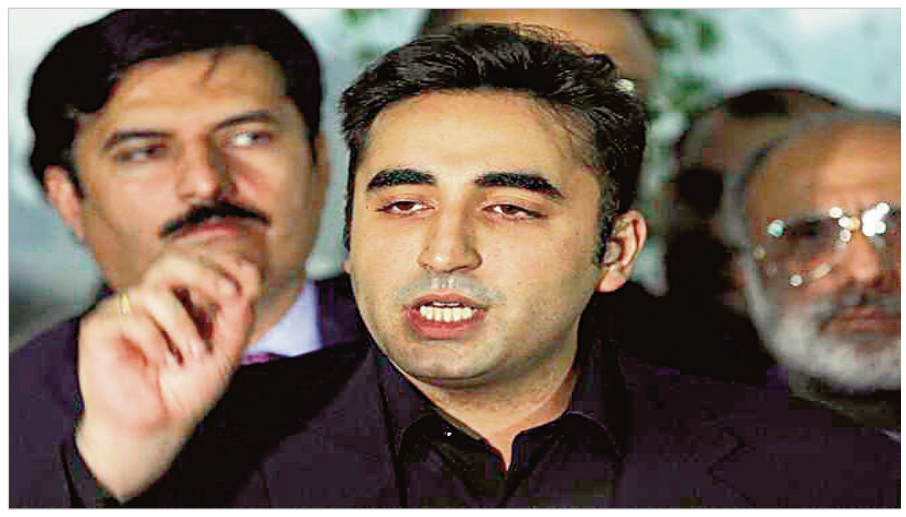

यूएन में पाक विदेशमंत्री बिलावल भुट्टो ज़रदारी अपने साथ पत्रकारों का जो जत्था लेकर गये थे, उनमें समा टीवी के यासीर फिरोज़ भी शामिल थे। वहीं किसी कॉरिडोर में ऑन कैमरा चलते-चलते पाक विदेशमंत्री से सवाल पूछ लिया था कि सिंध में जो सैलाब आया, क्या उसकी वजह इन्फ्रास्टक्चर की कमियां भी हैं? बिलावल भुट्टो ज़रदारी इस सवाल से चिढ़ गये। बोले, 'आप सिंध जाएं, फिर समझ पायेंगे।' पत्रकार ने कहा कि जनाब मैं कराची से ही हूं। यह सवाल-जवाब वायरल हुआ। चंद घंटों बाद यासीर फिरोज को पाकिस्तान से व्हाट्सएप मैसेज गया कि अब से आप समा टीवी का हिस्सा नहीं रहे। यह वाकया 22 सितंबर, 2022 का है। छोटे से सवाल को बर्दाश्त नहीं कर पाये बिलावल। अब बड़े सवाल पर आते हैं। बिलावल भुट्टो ज़रदारी से कोई पूछे कि आप पर जो मनी लॉन्ड्रिंग का केस चल रहा था, उसका क्या हुआ? कोई छोटी-मोटी राशि है नहीं। 35 अरब रुपये का मामला है। बिलावल और उनके अब्बू पर फर्जी बैंक अकाउंट के ज़रिये इतनी बड़ी राशि की हेराफेरी के आरोप लगे हैं। पाकिस्तान की द नेशनल अकाउंटिबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) के अनुसार, '2013 से 2015 के बीच 29 फर्जी खाते विभिन्न बैंकों में खोले गये थे।' पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एफआईए) ने 32 लोगों को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में अभियुक्त बनाया था, जिसमें बिलावल, उनके अब्बाजान आसिफ अली ज़रदारी भी शामिल थे। वर्ष 2015 में दर्ज़ इस केस में जांच दर जांच होती रही। ओमनी ग्रुप के चेयरमैन अनवर मजीद व उनके बेटे अनवर ग़नी गिरफ्तार किये गये थे। उन दिनों बिलावल भुट्टो और आसिफ अली ज़रदारी, दोनों पिता-पुत्र ज़मानत पर थे। 29 नवंबर, 2019 को दोनों पिता-पुत्र को फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की ज्वाइंट इन्वेस्टिगेशन टीम के समक्ष समन किये गये थे। उसके बाद के तीन वर्षों में क्या हुआ? यही सबसे बड़ा सवाल है। एफआईए के सीनियर अफसर स्वीकार करते हैं कि यह सारा पैसा कमीशन और रिश्वत का था, उस काले पैसे को सफेद करना था, इस वास्ते यह सब हुआ। भुट्टो कुनबे के विरुद्ध जब यह सारी कार्रवाई हुई, उस समय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ थे। आज उन्हीं नवाज़ शरीफ की पार्टी के साथ सत्ता में साझेदारी हो रही है। नवाज़ शरीफ़ से प्रधानमंत्री मोदी के निजी रिश्ते की वजह से उनके भाई मियां मुहम्मद शहबाज़ शरीफ़ ने इतनी गुंजाइश रखी थी कि वो अपने समकक्ष पर पर्सनल कमेंट से परहेज़ करते रहे। मगर, उन्हीं के विदेशमंत्री बार-बार मोदी पर हमलावर होकर हीरो बनने की चेष्टा कर रहे हैं, इससे दो बातें हो सकती हैं। या तो बिलावल भुट्टो ज़रदारी को खुला खेल फर्रूखाबादी के लिए छूट दे दी गई है, या फ़िर दो अलग-अलग विचारधाराएं पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान में अभी से शुरू हो गई हैं। मियां मुहम्मद शहबाज़ शरीफ़ अपने विदेशमंत्री के बयानों से कितना इत्तेफाक़ रखते हैं? इस सवाल पर पाकिस्तान में भी चुप्पी है। मगर, सवाल यह भी है कि क्या यूएन में भारतीय विदेशमंत्री को पाकिस्तान को छेड़ने की ज़रूरत थी? 2 मई, 2011 को ओसामा बिन लादेन के वध के दौरान भुट्टो की पाकिस्तानी पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के वरिष्ठ नेता युसूफ रज़ा गिलानी ही प्रधानमंत्री थे। एबटाबाद में 'ऑपरेशन जीरोनिमो' को अमेरिकी नेवी सील ने अंजाम दिया था, जिसमें पाकिस्तान की पूरी सरकार और पीपीपी एक्सपोज़ हुई थी कि ये लोग आतंकवाद के आका को संरक्षण दे रहे थे। पाकिस्तान का यह नासूर सूखकर खुरंड बन चुका है। जब-जब इसे छेड़िये, वो ज़ख्म ताज़ा हो जाता है। ओसामा बिन लादेन को कितनी बेशर्मी से वोट बैंक में तब्दील किया गया, उसका उदाहरण है इमरान ख़ान जैसे नेता, जो ओसामा को 'शहीद' मानते हैं। 27 दिसंबर, 2007 को रावलपिंडी में बेनज़ीर भुट्टो अपने पाले आतंकवाद की शिकार हो गई। मगर उनकी पार्टी ने कभी स्वीकार नहीं किया कि आतंकवाद को सरपरस्ती देकर वो लगातार ग़लतियां करते रहे। यदि भारत-पाक के दोनों विदेश मंत्रियों के शैक्षिक-प्रशासनिक अनुभवों की तुलना करें, तो बिलावल भुट्टो जरदारी कहीं भी एस. जयशंकर के आगे नहीं ठहरते। इसलिए जब लगे कि सामने वाला संस्कारहीन है, और नंग-धड़ंग खड़ा है, तो उन बातों से परहेज़ करना चाहिए, जिसके बिनाह पर उसे हीरो बनने का अवसर मिल जाए। सारे फसाने में जिस बात का ज़िक्र नहीं हो रहा, वो है भारतीय प्रतिपक्ष की इस मामले में चुप्पी। बोल दीजिए कि बिलावल भुट्टो ज़रदारी से हम इत्तेफाक़ रखते हैं, या फिर शालीनता का परिचय देते हुए उसकी निन्दा कर एक उदाहरण पेश कीजिए, जैसा कि कुछ अवसरों पर कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्रियों ने किया है। बिलावल भुट्टो ज़रदारी के पड़नाना सर शाह नवाज़ भुट्टो जूनागढ़ रियासत के दीवान थे। सर शाह नवाज़ भुट्टो के तीसरे बेटे ज़ुल्फिकार अली भुट्टो 1971 से 1973 के दौर में पाकिस्तान के राष्ट्रपति रहे, और उसके प्रकारांतर 1977 तक प्रधानमंत्री। दोनों मुल्कों के बीच समय-समय पर युद्ध और तनाव के बावजूद भुट्टो और नवाज़ शरीफ परिवार ने भारत में सत्ता के शिखर पर रहे लोगों से निजी संबंध बनाये रखा। बेनज़ीर भुट्टो की राजीव गांधी से यहां तक दोस्ती दिखी कि तंज़िया सत्ता के गलियारे में लोग कह जाते कि बेनज़ीर से राजीव गांधी शादी कर लें, तो स्थाई शांति स्थापित हो जाएगी, और दोनों मुल्कों के अवाम का भला होगा। सिंधी कनेक्शन की वजह से भुट्टो परिवार लाल कृष्ण आडवाणी के भी क़रीब रहा। लेकिन सत्ता में बने रहना एक ऐसी शह है कि राजनीति में आया नया जनरेशन माज़ी नहीं देखता। विदेशमंत्री बिलावल से कोई पूछे कि पाकिस्तान में 'मिस्टर टेन परसेंट' के नाम से कौन कुख्यात है? 9 जनवरी, 1998 को 'द भुट्टो मिलियंस' शीर्षक से जॉन. एफ बर्न्स की एक रिपोर्ट न्यूयार्क टाइम्स में छपी। इस रिपोर्ट में ब्रिटेन में 355 एकड़ वाली रॉकवुड इस्टेट आसिफ अली ज़रदारी द्वारा ख़रीद लेने का ब्योरा था। इसके अलावा 'आइरिश सी' और 'दी आइल ऑफ मैन' जैसे कई टैक्स हैवन में ज़रदारी की प्रॉपर्टी का ब्योरा उस रिपोर्ट में था। 10 अक्तूबर, 1990 को एक ब्रिटिश बिजनेसमैन के अपहरण और फिरौती के आरोप में आसिफ अली ज़रदारी गिरफ्तार किये गये थे। 20 सितंबर, 1996 को बेनज़ीर के छोटे भाई मुर्तजा भुट्टो की हत्या के पीछे ज़रदारी का हाथ होने का आरोप मृतक की बेवा ग़िनवा भुट्टो ने लगाया था। मार्च, 2018 में एक और खबर छपी, जिसके मुताबिक, ज़रदारी के रॉकवुड महल में संदिग्ध पार्टियां हुआ करती हैं। काश! बिलावल भुट्टो ज़रदारी अपने पिता की समय-समय पर गिरफ्तारी और जेल यात्राओं का सही से आकलन कर लेते।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

कोरोना : तीसरी लहर से असहाय होता चीन

(लेखक - सुरेश हिन्दुस्थानी)

पिछले दो साल से कोरोना का कहर झेल चुके कई देश अब तक पटरी पर नहीं आ सके थे उनके समक्ष फिर से कोरोना वायरस का खतरा दिखने लगा है। जिसकी शुरूआत अब तक अविश्वसनीय प्रमाणित हो चुके चीन से हो गई है। कोरोना की तीसरी लहर के चलते चीन की स्थिति ऐसी हो चुकी है जिसके सामने वहां की सरकार भी असहाय होती जा रही है। चीन में अकाल मौत की भयावहता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि वहां अंतिम संस्कार करने के लिए परिजन अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे हैं। एक रिपोर्ट को मानें तो चीन में 80 करोड़ लोग इस संक्रमण का शिकार हो सकते हैं। अभी तक इस संक्रमण का घातक असर जिन देशों में हो रहा है उनमें चीन के अलावा जापान ब्राजील दक्षिण कोरिया और फ्रांस शामिल हैं। जहां लगातार मौत के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

हम यह भली भांति जानते हैं कि कोरोना संक्रमण की समस्या एक स्थायी अंतरराष्ट्रीय समस्या के रूप में स्थापित हो चुकी है। इसके लिए जहां एक ओर अनियमित खानपान को जिम्मेदार माना जा रहा है वहीं लोगों की लापरवाही भी एक कारण है। जहां तक भारत की बात है तो इसे स्वीकार करना ही होगा कि भारत सरकार ने कोरोना के मामले में दूरदर्शी उपचार किया है। भारत में सफल टीकाकरण के चलते इसका प्रभाव बहुत कम हो रहा है और विशेषज्ञों ने भी विश्वास व्यक्त किया है भविष्य में भी इसका प्रभाव अन्य देशों की अपेक्षा कम ही होगा लेकिन इसका आशय यह कतई नहीं है कि हम लापरवाह हो जाएं। लापरवाही समस्या को बढ़ाने का कार्य ही करती है। सरकार ने सावधानी बरतना प्रारंभ कर दिया है अब आम जनता की बारी है कि वह पूर्व की भांति ही सरकार का साथ देकर देश को बचाने का कार्य करें। कोरोना की द्वित्तीय लहर के दौरान वीभत्स दृश्य हमने देखे हैं जो लोग इस दौरान असमय काल के ग्राह्य बने थे उनमें से कई ऐसे थे जिनकी कमी कई परिवारों में खल रही है। वैश्विक धरातल पर कोरोना वायरस ने जो सबक दिया है उससे कई देश आज भी सबक लेने को तैयार नहीं है। अगर सबक लिया होता तो चीन में आज हालात नहीं बनते। कोरोना संक्रमण जिस तरह से बढ़ रहा है वह बेहद डरावना है। अभी तक चीन से जो खबरें आ रही हैं हो सकता है कि हालात उससे भी ज्यादा खराब हों क्योंकि चीन में मीडिया पर अनेक प्रकार के प्रतिबंध हैं जिसके कारण वहां घटना की सही स्थिति सामने नहीं आ पाती। चीन के बारे में यह जगजाहिर हो चुका है कि चीन अपनी खबरों को छुपाता है। कोरोना की पहली लहर के दौरान भी चीन ने यही किया था। चीन की वही बात बाहर आ पाती है जिसे वहां की सरकारी एजेंसियों जारी करती हैं। लेकिन इस बार सोशल मीडिया में चीन में कोरोना महामारी से बिगड़े हालातों के कुछ वीडियो वायरल हो गए हैं। जिससे वहां की स्थिति का अंदाजा लग जाता है। कोरोना से वहां इतने लोग संक्रमित हो गए हैं कि अस्पतालों में इलाज के लिए जगह नहीं है। मौतों की संख्या भी ऐसी बताई जा रही है कि लाशों का अम्बार लगा है और उन लाशों को दफनाने या जलाने के लिए संसाधन कम पड़ गए हैं।

याद दिलाना जरूरी है कि कोरोना की शुरूआत चीन से ही हुई थी और सतर्कता न बरतने के कारण उसका परिणाम पूरी दुनिया को भुगतना पड़ा । कोरोना की दो लहरों का घातक प्रभाव भारत ने भी देखा और भुगता है। भारत ने इसका प्रभाव कम करने के लिए दुनिया के कई देशों का सहयोग किया। इतना ही नहीं दुनिया के कई देशों ने भारत से सहयोग मांगा यानी भारत अब दुनिया की समस्या को समाप्त करने के लिए समाधान करने वाले देश की श्रेणी में आ चुके हैं।

कोरोना की तीसरी लहर का प्रभाव भारत में भी रहेगा लेकिन इसका प्रभाव कम ही रहेगा। जबकि विदेश के कई देश इसके घातक परिणाम को झेलेंगे। जानकार अनुमान लगा रहे है कि कोरोना के नए वैरियंट से जिस तेजी से संक्रमण फैल रहा है उससे चीन की 60 प्रतिशत और दुनिया की 10 प्रतिशत आबादी जल्द ही संक्रमण की चपेट में आ सकती है। अमेरिका दक्षिण कोरिया जापान ब्राजील आदि कई देशों में एकाएक कोरोना के मामले बढ़ गए हैं। ऐसे में भारत में इसलिए भी बहुत सावधानी रखने की आवश्यकता है कि भारत जनसंख्या के मामले दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है। यहां जनसंख्या का घनत्व बहुत ज्यादा है। इसलिए कोई भी संक्रमण बहुत तेजी से फैल सकता है। इसलिए सुरक्षा उपायों का पूर्णतः पालन किए जाने की आवश्यकता है।

(लेखक राष्ट्रीय चिंतक और विचारक हैं)

(चिंतन-मनन)

मुक्ति की तलाश

जापान में नानहेन नामक एक परम ज्ञानी फकीर थे। एक दिन एक व्यक्ति उनके पास पहुंचकर बोला मैं संन्यास लेना चाहता हूं। इसके लिए मैंने अपने घर-परिवार रिश्ते-नाते सब को तिलांजलि दे दी है। फकीर ने पूछा क्या तुम बिल्कुल अकेले हो? तुम्हारे साथ वास्तव में कोई नहीं है। व्यक्ति बोला आप मेरे आगे-पीछे देख लीजिए आपको कोई नहीं मिलेगा। फकीर बोले अपनी आंखें बंद करो। अंदर झांककर देखो कि वहां कोई और तो नहीं है? जाओ कुछ देर के लिए वटवृक्ष की छाया में बैठकर सोचो। थोड़ी देर बाद आना। वह व्यक्ति वटवृक्ष की छाया में बैठकर ध्यान करने लगा। जब उसने आंखें बंद कीं तो उसे अपने वृद्ध माता-पिता पत्नी और बच्चों की छवि नजर आने लगी। वह चिंतित हो गया। घबराकर उसने अपनी आंखें खोलीं तो फकीर को अपने पास खड़ा पाया। व्यक्ति ने कहा मैं तो अपना परिवार नाते-रिश्ते सब पीछे छोड़ आया था लेकिन यहां पर आंखें बंद करते ही उनकी छवि सामने घूम रही है। इस पर फकीर बोले ध्यानमग्न होकर उन व्यक्तियों को अपने दिमाग से निकालने का प्रयत्न करो। कुछ देर बाद मेरे पास आना। दो घंटे बाद युवक ने फकीर का दरवाजा खटखटाया तो फकीर बोले कौन है? युवक बोला मैं हूं। फकीर ने कहा अभी भी तुम अकेले नहीं हो। तुम्हारा मैं तुम्हारे साथ है। अगर तुम इस मैं और भीड़ को छोड़ सको तो फिर यहां आने की जरूरत ही नहीं रह जाएगी। तुम मैं से मुक्ति पा लो तो फिर संन्यास लेने का भी कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। व्यक्ति ने फकीर की बात समझ ली।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेंसेक्स की दस प्रमुख कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.68 लाख करोड़ घटा

- रिलायंस को सबसे ज्यादा नुकसान

मुंबई । बीते सप्ताह बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष 10 कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह 168552.42 करोड़ रुपए घट गया। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। चीन और कुछ अन्य देशों में कोविड संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच बाजार की धारणा कमजोर रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 42994.44 करोड़ रुपए घटकर 1692411.37 करोड़ रुपए भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 26193.74 करोड़ रुपए गिरकर 512228.09 करोड़ रुपए एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 22755.96 करोड़ रुपए घटकर 890970.33 करोड़ रुपए भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 18690.03 करोड़ रुपए घटकर 416848.97 करोड़ रुपए आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 16014.14 करोड़ रुपए घटकर 613366.40 करोड़ रुपए हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 11877.18 करोड़ रुपए घटकर 615557.67 करोड़ रुपए इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 10436.04 करोड़ रुपए घटकर 630181.15 करोड़ रुपए और एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 8181.86 करोड़ रुपए घटकर 478278.62 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस ने सबसे कीमती कंपनी का खिताब अपने पास बरकरार रखा।

इस पूरे सप्ताह 54000 के पार रहा सोने का भाव

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। इस पूरे हफ्ते सोने का भाव 54000 के पार रहा है वहीं चांदी भी 67800 रुपए के पार बंद हुई है। एक की वेबसाइट के मुताबिक 19 दिसंबर को सोने का भाव 54248 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था वहीं 23 दिसंबर को सोने का भाव 54366 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ है। इस हिसाब से सोने की कीमतों में करीब 118 रुपए प्रति 10 ग्राम की तेजी देखने को मिली है। इसके अलावा 19 दिसंबर को चांदी का भाव 66898 रुपए प्रति किलोग्राम के पर था और 23 दिसंबर 2022 को चांदी का भाव 67822 रुपए प्रति किलोग्राम पर था। इस हिसाब से चांदी की कीमतों में 924 रुपए प्रति किलोग्राम का उछाल देखने को मिला है। विशेषज्ञ का मानना है कि चीन में तेजी से बढ़ रहे कोरोना और डॉलर इंडेक्स में देखी जा रही नरमी की वजह से सोने की कीमतों में लगातार बढ़त आ रही है और साल 2023 में सोने का भाव नए रिकॉर्ड स्तर पर जाएगा। कई विशेषज्ञों का मानना है कि दिसंबर 2023 तक सोने का भाव 61000 से 63000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को छू सकता है।

महंगी मिलती हैं रोलेक्स की सैकेंड हैंड घड़ियां!

नई दिल्ली । दुनिया की जानी मानी घड़ी निर्माता रोलेक्स की घड़ियां सेकंड हैंड बाजार में कई बार फ्रेश माल से भी ज्यादा महंगी बिकती हैं। ऐसा इसे लिए कि रोलेक्स की घड़ियों की बाजार में मांग बहुत ज्यादा है लेकिन रोलेक्स साल में केवल 10 लाख घड़ियां ही बनाती है। इससे वह बाजार में अपने माल की आर्टिफिशियल कमी बनाती है ताकि उसकी मांग हमेशा बनी रहे। मांग बहुत ज्यादा रहने के कारण कई बार वे लोग भी ये घड़ी खरीद नहीं पाते हैं जिनके पास इसे खरीदने की क्षमता होती है। ऐसे लोग फिर सेकेंडरी बाजार का सहारा लेते हैं और वहां नए माल से ज्यादा कीमत देने को तैयार हो जाते हैं।

कारों की मांग बढी लेकिन चिप ने बढ़ाया इंतजार

नई दिल्ली । पिछले साल की अपेक्षा इस त्योहारी सीजन में 25 प्रतिशत कार बिक्री में उछाल आया है। मांग ज्यादा होने के चलते नई कार की वेटिंग एक-एक साल तक पहुंच गई है। इसके चलते कार की बुकिंग कराने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक कार डीलर ने बताया कि राजधानी में नई कार की मांग तेजी से बढ़ रही है लेकिन मांग के हिसाब से गाड़ियां लोगों को नहीं मिल पा रही हैं। इसका कारण देश में सेमीकंडक्टर चिप की कमी हो गई है जिससे कारों में मैन्युफैक्चरिंग पर असर पड़ रहा है। कोरोना काल से पहले चीन से इसकी सप्लाई होती थी लेकिन अब यूरोप से हो रही है। हालांकि भारत में खुद चिप तैयार करने की दिशा में केंद्र सरकार काम कर रही है। वहीं एक और कार कारोबारी ने बताया कि दिल्ली में करीब 60 प्रतिशत गाड़ियों में लंबी वेटिंग चल रही है। जानकारों के मुताबिक चिप का इस्तेमाल कार से लेकर डिजिटल वॉच और लैपटॉप में किया जाता है। कार के इंफोटेनमेंट सिस्टम पावर स्टीयरिंग समेत कई पार्ट को ऑपरेट करने के लिए सेमीकंडक्टर चिप्स का इस्तेमाल होता है। नए वाहनों के लिए यह चिप बेहद जरूरी है। यह एक छोटी-सी चिप है जिसका कारों में इस्तेमाल किया जाता है।

पीरामल रियलटी को 2022-23 में 2200 करोड़ की बिक्री बुकिंग की उम्मीद

नई दिल्ली । पीरामल रियल्टी ने मजबूत आवासीय मांग के कारण 2022-23 के दौरान बिक्री बुकिंग में 40 प्रतिशत बढ़ोतरी का लक्ष्य तय किया है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस लक्ष्य के साथ चालू वित्त वर्ष में बिक्री बुकिंग बढ़कर 2200 करोड़ रुपए हो सकती है। पीरामल रियल्टी मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर) में 1.5 करोड़ वर्ग फुट आवासीय और वाणिज्यिक स्थल का विकास कर रही है। साहनी ने एक साक्षात्कार में बताया कि कंपनी ने पिछले पांच वर्षों में लगभग 2000 करोड़ रुपए की औसत वार्षिक बिक्री बुकिंग हासिल की है। कंपनी ने अब तक शुरू की गई चार परियोजनाओं में मजबूत मांग देखी है। चालू वित्त वर्ष के प्रदर्शन के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा हमारा लक्ष्य लगभग 2200 करोड़ रुपए के आसपास है। अभी तक हमें विश्वास है कि मांग में तेजी को देखते हुए हम 2000 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर लेंगे। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में बिक्री बुकिंग 1500 करोड़ रुपए से अधिक थी। उन्होंने कहा कि कंपनी परियोजनाओं को पूरा करने पर बहुत तेजी से काम कर रही है और उसने अपने ग्राहकों को लगभग 10 लाख वर्ग फुट के 1000 अपार्टमेंट सौंपने शुरू कर दिए हैं। हम अगले दो साल में निर्माण पर 3500 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश करेंगे।

Piramal Realty

ऑटो गियर शिफ्ट वाले वाहनों की बिक्री बढ़ने की उम्मीदः मारुति सुजुकी

नई दिल्ली । देश के शहरों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि उसे अगले साल ऑटो गियर शिफ्ट वाले वाहनों की बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है। कंपनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने यह बात कही। कंपनी ने 2013-14 में पहली बार अपनी हैचबैक सेलेरियो में ऑटो गियर शिफ्ट (एजीएस) तकनीक पेश की थी जो ड्राइवरों को क्लच का इस्तेमाल करके मैन्युअल तरीके से गियर बदलने से राहत देती है। मारुति ने अब तक ऐसे वाहनों की कुल 7.74 लाख इकाइयां बेची हैं। अधिकारी ने बताया कि एजीएस पेश करने के बाद हमने धीरे-धीरे अपने कई मॉडलों में इसका विस्तार किया है। हम मानते हैं कि बढ़ती भीड़ के साथ गाड़ी चलाने में सुविधा के लिए एजीएस से मदद मिलेगी। खासतौर से शहरी क्षेत्रों में ऐसा होगा। इसलिए हमारा मानना है कि इस प्रौद्योगिकी की मांग आगे बढ़ेगी। कंपनी के नौ मॉडल सेलेरियो ऑल्टो के10 वैगनआर डिजायर इग्निस स्विफ्ट ब्रेजा एस-प्रेसो और बलेनो में एजीएस का विकल्प उपलब्ध है। लोग अब गाड़ी चलाने में अधिक आसानी चाहते हैं और इसलिए एजीएस वाहनों की बिक्री में भी तेजी आ सकती है।

(शेयर बाजार समीक्षा) इस सप्ताह कोरोना फैलने से डरा रहेगा शेयर बाजार

मुंबई ।

कोरोना वायरस संक्रमण की एक बार फिर आई आहट से सहमे निवेशकों की चौतरफा बिकवाली के दबाव में बीते सप्ताह ढाई प्रतिशत तक गिर चुके घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह भी कोविड के अलग-अलग देशों में फैलने का डर हावी रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स दो माह के निचले स्तर 60 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 59845.29 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 18 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के मुकाबले मझौली और छोटी कंपनियों में बिकवाली का दबाव अधिक रहा। विश्लेषकों के अनुसार कोविड के वैरिएंट ओमीक्रॉन के सब वैरिएंट एफबी-7 का संक्रमण चीन में फैलने के बाद अब अमेरिका जापान ब्रिटेन और दक्षिण कोरिया समेत कई देशों में कहर बरपा कर रहा है।

इससे अर्थिक गतिविधियां ठप पड़ने और दुनिया के एक बार फिर आर्थिक मंदी का चपेट में आने का डर निवेशकों को अगले सप्ताह भी डराएगा। इसका सीधा असर घरेलू समेत वैश्विक बाजार पर दिखाई देगा। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और डॉलर सूचकांक भी अगले सप्ताह बाजार की दिशा निर्धारित करने वाले अन्य महत्वपूर्ण कारक होंगे।

साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश प्रवाह पर भी बाजार की नजर रहेगी। एफआईआई ने दिसंबर में अब तक कुल 124455.81 करोड़ रुपए की लिवाली जबकि कुल 132925.34 करोड़ रुपए की बिकवाली की है। उन्होंने बाजार से 8469.53 करोड़ रुपए निकाल लिए।

हालांकि इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की निवेश धारणा मजबूत रही है। उन्होंने बाजार में कुल 106850.54 करोड़ रुपए का निवेश किया जबकि 87753.86 करोड़ रुपए निकाल लिए जिससे वह 19096.68 करोड़ रुपए के लिवाल रहे।

विदेशी निवेशकों ने दिसंबर में अब तक किया 11557 करोड़ का निवेश

विदेशी निवेशकों ने दिसंबर में अब तक किया 11557 करोड का निवेश

नई दिल्ली ।

चीन सहित दुनिया के कई देशों में कोरोना संक्रमण के मामलों में बढोतरी और मंदी की आहट को देखते हुए विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार पर भरोसा बरकरार है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय इक्विटी बाजारों में 1 से 23 दिसंबर 2022 के दौरान करीब 11557 करोड़ रुपए का निवेश किया है। नवंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक ने भारतीय बाजारों में 36200 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया था। एक बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि आने वाले समय में अमेरिका से मैक्रो डेटा और कोविड समाचार निकट भविष्य में एफपीआई प्रवाह और बाजारों को चलाएंगे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने दिसंबर के दौरान इक्विटी में 11557 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। इसकी मुख्य वजह अमेरिकी डॉलर सूचकांक के कमजोर होने और समग्र व्यापक आर्थिक रुझानों के बारे में सकारात्मकता बताया जा रहा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि इससे पहले विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में 8 करोड़ रुपए और सितंबर में 7624 करोड़ रुपए निकाले थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि बाजारों में गिरावट के बावजूद दुनिया के कुछ हिस्सों में कोविड के फिर से उभरने को लेकर बढ़ती चिंता और अमेरिका में मंदी की चिंता के बावजूद एफपीआई भारतीय इक्विटी बाजारों में खरीदार बने रहे हैं। हालांकि 23 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में प्रवाह की मात्रा 1000 करोड़ रुपए से कुछ कम थी जबकि पिछले सप्ताह यह 6055 करोड़ रुपए दर्ज की गई थी। उन्होंने कहा कि शुद्ध प्रवाह में गिरावट यह संकेत देती है कि हाल के घटनाक्रमों और जारी अनिश्चितताओं को देखते हुए विदेशी निवेशक धीरे-धीरे सतर्क हो रहे हैं।चीन में फैले को विड के बारे में चिंता एक नकारात्मक भावना है और अमेरिका के मजबूत आर्थिक आंकड़े फेड के आक्रामक रुख को जारी रखने का संकेत देते हैं जो बॉन्ड की पैदावार को बढ़ा रहा है और इक्विटी को नीचे कर रहा है। हालांकि इस प्रवृत्ति के विपरीत होने से ही बाजार में तेजी आएगी। इसके अलावा चल रही अनिश्चितता के बीच कई निवेशकों ने हाल ही में उच्चतम स्तर को छूने वाले भारतीय बाजारों के साथ मुनाफावसूली करना भी चुना होगा। दिसंबर की पहली छमाही में एफपीआई ऑटो पूंजीगत सामान एफएमसीजी और रियल एस्टेट शेयरों में खरीदार थे जबकि वे उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं तेल और गैस बिजली और वित्तीय में विक्रेता थे।

कुछ बीमा कंपनियों ने तय सीमा से ज्यादा व्यय किया

मुंबई। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) की ओर से 2021-22 के लिए जारी सालाना रिपोर्ट में यह सामने आया है कि वित्त वर्ष 2022 के दौरान जीवन बीमा और गैर जीवन बीमा दोनों क्षेत्रों की कुछ बीमा कंपनियों ने बीमा नियामक के 2016 के दिशानिर्देशों में तय प्रबंधन की सीमा से अधिक व्यय किया है। 24 कंपनियों में से 16 ने आईआरडीएआई नियम 2016 का पालन किया है। वहीं 8 जीवन बीमा कंपनियों ने सेग्मेंट के आधार पर देखने पर व्यय की सीमा पार की है। सीमा पार करने वाली कंपनियां जांच के अधीन हैं और उन्हें फॉरबियरेंस दिए जाने पर विचार किया जा रहा है। जीवन बीमा कारोबार करने वाले बीमाकर्ताओं के प्रबंधन का खर्च बीमा पॉलिसियों के प्रकार प्रीमियम के भुगतान की अवधि और बीमा कारोबार की अवधि को ध्यान में रखकर निर्धारित किया गया है। कुल मिलाकर जीवन बीमा उद्योग का प्रबंधन पर कुल व्यय वित्त वर्ष 2022 में 1.07 लाख करोड़ रुपए रहा है जो कुल सकल प्रीमियम का 15.50 प्रतिशत था।कमीशन व्यय अनुपात वित्त वर्ष 2022 में मामूली घटकर 5.18 प्रतिशत हुआ है जबकि कुल कमीशन इस दौरान 8.77 प्रतिशत बढ़ा है। सामान्य बीमा और स्वास्थ्य बीमा की स्थिति देखें तो वित्त वर्ष 2022 में 8 सामान्य बीमा कंपनियों को आईआरडीएआई नियम 2016 के मुताबिक फॉरबियरेंस की अनुमति दी गई है जो कुछ शर्तों के अधीन है। बहरहाल 18 बीमा कंपनियों ने व्यय के नियमों का अनुपालन किया है।

मांग कम होने से तेल तिलहन कीमतों में गिरावट

- चीन में कोरोना के संक्रमण बढ़ने की खबरों से भी खाद्य तेलों की मांग पर कुछ असर पड़ा

नई दिल्ली ।

विदेशी तेल तिलहन कीमतें कमजोर होने और स्थानीय स्तर पर दाम अधिक होने से मांग में कमी आने से दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सोयाबीन तिलहन कच्चा पामतेल (सीपीओ) बिनौला और पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट देखी गई। हल्के तेलों की मौसमी मांग और ऊंचे भाव में लिवाली कम होने के बीच सरसों मूंगफली तेल तिलहन और सोयाबीन तेल के भाव पूर्व-स्तर पर बने रहे। बाजार के जानकारों ने कहा कि पेराई मिलों को देशी तेलों की पेराई में नुकसान है क्योंकि इसकी अधिक लागत बैठती है और मंडी में ऊंचे भाव पर लिवाल कम हैं। विशेषकर सोयाबीन मूंगफली सरसों बिनौला जैसे सभी हल्के तेलों की पेराई करने वाले इस नुकसान से त्रस्त हैं। चीन में कोरोना वायरस के संक्रमण बढ़ने की खबरों से भी खाद्यतेलों की मांग पर कुछ असर पड़ा है। अगले महीने सरसों की फसल समय से थोड़ा पहले मंडियों में आ सकती है। सोयाबीन का स्टॉक बचा हुआ है क्योंकि किसानों को दो साल पहले सोयाबीन के अच्छे दाम मिले थे और इस बार सस्ते आयातित तेल की प्रचुरता के कारण तिलहन के दाम सस्ते हैं और किसान सस्ते में अपनी फसल बेचने को तैयार नहीं हैं।

शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहेः सरसों तिलहन 7030-7080 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपए प्रति क्विंटल मूंगफली 6485-6545 रुपए प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15250 रुपए प्रति क्विंटल मूंगफली रिफाइंड तेल 2445-2710 रुपए प्रति टिन सरसों तेल दादरी 14100 रुपए प्रति क्विंटल सरसों पक्की घानी 2135-2265 रुपए प्रति टिन सरसों कच्ची घानी 2195-2320 रुपए प्रति टिन तिल तेल मिल डिलिवरी 18900-21000 रुपए प्रति क्विंटलश् सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 13700 रुपए प्रति क्विंटल सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर-13400 रुपए प्रति क्विंटल सोयाबीन तेल डीगम कांडला- 11700 रुपए प्रति क्विंटल सीपीओ एक्स-कांडला 8470 रुपए प्रति क्विंटल बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 11850 रुपए प्रति क्विंटल पामोलिन आरबीडी दिल्ली 10125 रुपए प्रति क्विंटल पामोलिन एक्स कांडला 150 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल बीन दाना 5550-5650 रुपए प्रति क्विंटल सोयाबीन लूज- 5370-5410 रुपए प्रति क्विंटल। मक्का खल (सरिस्का) 4010 रुपए प्रति क्विंटल।

अक्टूबर में ईएसआईसी स्कीम से जुड़े 11.82 लाख नए सदस्य

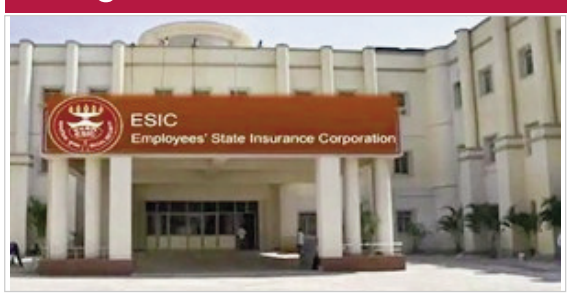

नई दिल्ली।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) स्कीम में सदस्यों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इस सोशल सिक्योरिटी स्कीम के तहत अक्टूबर में करीब 11.82 लाख नए सदस्य जुड़े। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। इन आंकड़ों को देश में संगठित क्षेत्र के बेहतर होते रोजगार परिदृश्य के रूप में देखा जाता है।

एनएसओ की तरफ से जारी रिपोर्ट के मुताबिक ईएसआईसी में कुल नए नामांकन वित्त वर्ष 2021-22 में 1.49 करोड़ हो गए जबकि वर्ष 2020-21 में यह आंकड़ा 1.15 करोड़ था। वहीं 2019-20 में यह संख्या 1.51 करोड़ और 2018-19 में 1.49 करोड़ थी। एनएसओ की यह रिपोर्ट ईएसआईसी एंप्लाई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन यानी ईपीएफओ और पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी यानी पीएफआरडीए द्वारा संचालित विभिन्न सोशल सिक्योरिटी स्कीम्स के नए अंशधारकों के पेरोल डेटा के आधार पर तैयार की गई है। गौरतलब है कि एंप्लाई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन ने अक्टूबर में 12.94 लाख अंशधारक जोड़े हैं। श्रम मंत्रालय ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि करीब 2282 नए प्रतिष्ठानों ने पहली बार कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनयम 1952 का अनुपालन शुरू किया है और वे अपने कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध करा रहे हैं। पेरोल आंकड़ों की सालाना आधार पर तुलना से पता चलता है कि अक्टूबर 2022 में अंशधारकों की संख्या में 21026 का इजाफा हुआ है।

ईपीएफओ के अस्थायी पेरोल आंकड़ों के अनुसार माह के दौरान कुल 12.94 लाख अंशधारक जोड़े गए। इनमें से 7.28 लाख नए सदस्य पहली बार ईपीएफओ के सोशल सिक्योरिटी दायरे में आए हैं।

इफको जल्द लांच करेगी नैनो डीएपी घटेगा सब्सिडी बोझ

नई दिल्ली ।

नैनो लिक्विड यूरिया पेश करने के बाद सहकारी संस्था इफ्को का लक्ष्य जल्द ही नैनो डीएपी फर्टिलाइजर उतारने का है। यह एक ऐसा कदम है जो भारत को विदेशी मुद्रा की बचत करने और सरकारी सब्सिडी को भी काफी कम करने में मदद करेगा। ये नैनो डीएपी किसानों के लिए खेती को काफी आसान बनाएगा वहीं लागत भी कम करेगा इफ्को का लक्ष्य 600 रुपये में आधा लीटर नैनो डीएपी उर्वरक को बाजार में उतारने का है। इफ्को के प्रबंध निदेशक यू एस अवस्थी ने कहा कि इफ्को नैनो-पोटाश नैनो-जिंक और नैनो-कॉपर उर्वरक भी लाने की योजना बना रही है।

अब तक नैनो यूरिया की 4.85 करोड़ बोतलों की बिक्री

जून 2021 में सहकारी संस्था इफ्को ने पारंपरिक यूरिया के विकल्प के रूप में नैनो यूरिया को तरल रूप में पेश किया। इसने नैनो यूरिया का उत्पादन करने के लिए विनिर्माण संयंत्र भी स्थापित किए हैं। अवस्थी ने कहा कि इफ्को ने अब तक नैनो यूरिया की पांच करोड़ बोतलों का उत्पादन किया है जिनमें से 4.85 करोड़ बोतलें बेची जा चुकी हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि नैनो यूरिया की कीमत पारंपरिक यूरिया से कम है और यह अधिक प्रभावी और सुविधाजनक भी है। नैनो यूरिया पर कोई सरकारी सब्सिडी नहीं है और इस 240 रुपये प्रति बोतल की दर से बेचा जा रहा है। उन्होंने घोषणा की कि नैनो-डीएपी की आधा लीटर की बोतल 600 रुपये में बेची जाएगी।

इसकी एक बोतल डीएपी के एक बैग के बराबर होगी जिस डीएपी बैग की कीमत 1350 रुपये है। यानि किसानों की लागत भी घटेगी।

देरी से चल रही परियोजनाओं में सड़क परिवहन राजमार्ग क्षेत्र की अधिकः रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र में देरी से चल रही परियोजनाओं में सबसे अधिक 358 परियोजनाएं सड़क परिवहन और राजमार्ग क्षेत्र की हैं। एक सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद रेलवे की 111 और पेट्रोलियम क्षेत्र की 87 परियोजनाएं हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग क्षेत्र में 769 में 358 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रेलवे में 173 परियोजनाओं में 111 देरी से चल रही हैं जबकि पेट्रोलियम क्षेत्र की 154 में 87 परियोजनाएं समय से पीछे चल रही हैं। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। रिपोर्ट से पता चला कि मुनीराबाद-महबूबनगर रेल परियोजना सबसे विलंबित परियोजना है। इसमें 276 महीने की देरी है। देरी के लिहाज से दूसरे स्थान पर उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल परियोजना है जो 247 महीनों की देरी से चल रही है। तीसरी सबसे विलंबित परियोजना बेलापुर-सीवुड-अर्बन इलेक्ट्रिफाइड डबल लाइन परियोजना है जो 228 महीनों की देरी से चल रही है। नवंबर 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक कम से कम 756 परियोजनाएं अपने तय कार्यक्रम के मुकाबले देरी से चल रही हैं।

Sports

घोषित कर दी है। इस मैच में भी जोश हेजलवुड को शामिल नहीं किया गया है। इसका कारण यह है कि वह अब भी खिंचाव से नहीं उबरे हैं। हेजलवुड की जगह पर इस मैच में स्कॉट बोलैंड को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा हमने हेजलवुड को हर मौका दिया पर फिट नहीं होने के कारण उसने स्वयं ही नाम वापस ले लिया। ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी क्रम में कोई बदलाव नहीं है। इस मैच में अनुभवी बल्लेबाज डेविड वार्नर ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना 100वां टेस्ट खेलेंगे। उनके साथ बाएं हाथ के बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा उतरेंगे। इसके अलावा मार्नस लाबुशाने स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड भी शामिल रहेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे है। उसने पहला टेस्ट दो दिनों में ही जीत लिया था। दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रक डेविड वार्नर उस्मान ख्वाजा मारनस लाबुस्चगने स्टीव स्मिथ ट्रेविस हेड कैमरन ग्रीन एलेक्स केरी (विकेटकीपर) पैट कमिंस (कप्तान) मिशेल स्टार्क नाथन लियोन और स्कॉट बोलैंड।

अय्यर और अश्विन की साझेदारी से भारत ने दूसरा टेस्ट तीन विकेट से जीता

सीरीज 2-0 से अपने नाम की

मीरपुर ।

रतीय क्रिकेट टीम ने यहां और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच जबान बांग्लादेश को तीन ट से हराने के साथ ही दो मैचों की टेस्ट सीरीज अपने नाम कर ली है। इसी के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए टीम इंडिया की दावेदारी को भी बल मिला है। मैच के चौथे दिन दूसरी पारी में चार विकेट पर 45 रनों से आगे खेलते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने केवल 29 रनों के अंदर ही अपने तीन विकेट गंवा दिये। इस प्रकार 74 रनों तक ही टीम ने अपनी अपनी सात विकटें खो दीं पर इसके बाद श्रेयस अय्यर और रविचंद्रन अश्विन ने टिककर बल्लेबाजी करते हुए उसे जीत के लक्ष्य 145 रनों तक पहुंचा ही दिया। अय्यर ने नाबाद 29 जबकि अश्विन ने नाबाद 42 रन बनाये जबकि अक्षर पटेन ने 34 रनों का योगदान दिया। विराट कोहली केवल एक रन ही बना पाये जबकि चेत्तेश्वर पुजारा ने 6 रन बनाये। ऋषभ पंत भी 9 रनों पर ही आउट हो गये। वहीं इससे पहले भारतीय टीम ने तीसरे दिन अपनी अपनी दूसरी पारी में चार विकेट 45 रनों पर ही खो दिये थे और उसे जीत के लिए 100 रनों की जरुरत थी। भारत ने अपनी पहली पारी में 314 रन बनाए जबकि बांग्लादेश ने 247 रन बनाये थे इस प्रकार पारी के आधार पर भारतीय टीम के पास 87 रनों की बढ़त थी। दूसरी पारी में बांग्लादेश 231 रनों पर ही आउट हो गयी थी। इस प्रकार भारतीय टीम को जीत के लिए 145 रनों का आसान सा लक्ष्य मिला। भारत की ओर से पहली पारी में अय्यर ने 87 जबकि ऋषभ ने 93 रनों का योगदान दिया। दूसरी पारी में भारत की खराब रही सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल 7 और कप्तान लोकेश राहुल एक रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गये। राहुल इस सीरीज में विफल रहे हैं। वह पहले टेस्ट में भी रन नहीं बना पाये थे।

राष्ट्रीय मक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंची लवलीना निकह

नई दिल्ली ।

शीर्ष महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन निकहत जरीन और मंजू रानी शानदार प्रदर्शन के साथ ही यहां छठी एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। असम की ओर से खेल रहे लवलीना ने 75 किग्रा के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड की मीना रानी को 5-0 से हराया। अब सेमीफाइनल में लवलीना का मुकाबला मध्य प्रदेश की जिज्ञासा राजपूत से होगा।

वहीं निकहत ने 50 किग्रा के क्वार्टरफाइनल मुकाबले में गोवा की तनिश्का को आसानी से हरा दिया। अब निकहत का सामना पुलिस की शिविंदर कौर सिद्धू से होगा। रेलवे बोर्ड की मंजू रानी ने 48 किग्रा के क्वार्टरफाइनल में चंडीगढ़ की सिमरन क 0 से हराया। अब उनका सामना मध्य प्रदेश अंजलि शर्मा से होगा। रेलवे बोर्ड की ज्याति 52 और शशि चोपड़ा 63 किग्रा भी जीत के सा अगले दौर में पहुंच गयी हैं। वहीं 2018 की चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता सिमरन कौर ने 60 किग्रा भार वर्ग में असम की बार्बी को हराया।

ाकारंगप्पा ने टाटा टूर गोल्फ पियनशिप जीती

मशेदपुर । गोल्फर एस चिक्कारंगप्पा ने तीन करोड़ रुपये इनामी वाली टाटा स्टील टूर गोल्फ चैम्पियनशिप जीती है। चिक्कारंगप्पा ने टीआई सत्र के इस अंतिम टूर्नामेंट के चौथे दौर में तीन अंडर 69 ार्ड खेल कर खिताब अपने नाम किया। वहीं मनु ने स्पर्धा में संयुक्त स्थान पर रहते हुए 2022 पीजीटीआई रैंकिंग ऑर्डर ऑफ मेरिट ब हासिल किया। चिक्कारंगप्पा ने 66-71-62-69 का स्कोर कर 20-अंडर 268 का स्कोर बनाने के साथ ही दो शॉट के अंतर से हासिल की। यह उनका पीजीटीआई में 15वां और करियर का ं पेशेवर खिताब है। वहीं शिव कपूर 64-69-70-67 मीम खान 67-67-65 और वीर अहलावत 67-71-67-65 18-अंडर के स्कोर के साथ ही संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे। मनु ने 66-68-70 का स्कोर करने के साथ ही इस स्पर्धा में कुल 16-अंडर 272 कोर किया। मनु ने इसी के साथ ही इस सत्र में 8850688 रुपए ॉर्ड कमाई की। यह पीजीटीआई सत्र के लिए अब तक की सबसे क कमाई है। इस दौरानउन्होंने राशिद खान द्वारा 2019 में बनाए गए की कमाई के 6627650 रुपए के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

2023 में भारतीय मुक्केबाजों के सामने बड़ी चुनौतियां

नई दिल्ली।

कुछ युवा भारतीय मुक्केबाजों से आईएएनएस ने 2023 प्रतियोगिताओं, खासकर एशियाई खेलों की योजनाओं के बारे में बाचतीच की, जिन पर उन्होंने विस्तार से अपनी बातें कही। 2023 का खेल कैलेंडर भारत के लिए एक और चुनौतियों से भरा रहने वाला है। 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए विभिन्न क्वालीफायर के साथ, 2023 ग्रीष्मकालीन खेलों के लिए क्वोलीफाई करने के इच्छुक भारतीय एथलीटों के लिए एक बड़ा वर्ष होगा। बॉक्सिंग में भारत के कार्यक्रम की बात करें तो दिल्लीवासियों के लिए अच्छी खबर है क्योंकि प्रशंसक मार्च में अपने पसंदीदा मुक्केबाजों को एक्शन में देख सकते हैं। 2023 आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 15 से 31 मार्च तक दिल्ली में होगी, क्योंकि भारत टूर्नामेंट के इतिहास में तीसरी बार द्विवार्षिक आयोजन की मेजबानी करने के लिए तैयार है। 2001 में चैंपियनशिप की शुरूआत के बाद से, प्रतिष्ठित कार्यक्रम भारत में दो बार 2006 और 2018 में, दोनों बार दिल्ली में हुआ। इसके अलावा, भारत ने गुवाहाटी में 2017 में महिला युवा विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी भी की है। फिर मई में, बॉक्सिंग के प्रशंसकों को उत्साहित रखने के लिए 1 से 14 मई तक ताशकंद, उज्बेकिस्तान में पुरुष विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप होगी। बाद में सितंबर में, एशियाई खेल चीन के हांग्जो में शुरू होंगे। एकमात्र चिंताजनक घटनाक्रम चीन में कोविड-19 मामलों में उछाल है। लेकिन अगर सब ठीक रहा तो 2023 में भारतीय खेल प्रेमियों के लिए बहुत कुछ है। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के एक अधिकारी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि सभी राष्ट्रीय मुक्केबाज 2023 में मेगा इवेंट के लिए कमर कस रहे हैं। अधिकारी ने कहा, हम अगले साल को नए जोश और नई चुनौतियों के साथ देख रहे हैं। मुझे यकीन है कि हमारे पदकों की संख्या बढ़ेगी और हमारे मुक्केबाज विश्व स्तर पर चमकेंगे। साल 2022 भारतीय मुक्केबाजों के लिए मिलाजुला साबित हुआ। भारतीय मुक्केबाजी की नई पोस्टर गर्ल निखत जरीन ने इस साल स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। उन्होंने इतिहास की किताबों में अपना नाम दर्ज कराने के साथ वर्ष की शुरूआत की, क्योंकि वह प्रतिष्ठित स्ट्रैंड्जा मेमोरियल मीट, यूरोप के सबसे पुराने अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट में दूसरा स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय मुक्केबाज बनीं। तेलंगाना की मुक्केबाज ने अपनी आदर्श मैरी कॉम की विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली उपलब्धि को दोहराया। यह चार वर्षों में भारत का पहला विश्व खिताब था और देश के बाहर केवल दूसरा।

संक्षिप्त समाचार

राहुल ने कुलदीप को शामिल नहीं करने के अपने फैसले को सही बताया

मीरपुर । भारतीय टीम के कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल करने के अपने फैसले को सही बताया। राहुल ने माना गेंदबाजी के दौरान उन्हें कुलदीप की कमी महसूस हुई थी पर इ बाद भी उन्हें बाहर रखना सही था। कुलदीप ने पहले टेस्ट में शान गेंदबाजी कर कुल आठ विकेट लिए थे। ऐसे में दूसरे टेस्ट में उ जगह जयदेव उनादकट को शामिल करने के फैसल की दि खिलाड़ियों ने आलोचना की थी। राहुल ने कहा कि उन्होंने कुल को बाहर रखकर कोई गलती नहीं की। राहुल ने मैच के बाद अ फैसले का बचाव करते हुए कहा'' मुझे अपने फैसले पर पछतावा नहीं है। यह सही फैसला था। अगर आप विकेट को देख हमारे तेज गेंदबाजों ने भी काफी विकेट हासिल किए और उन्हें से सहायता मिल रही थी। विकेट में काफी असमान तरीके की उ थी। इसी कारण टीम को 145 रनों के लक्ष्य तक पहुंचने में विकेट गंवाने पड़े थे। राहुल ने कहा'' हमने एकदिवसीय में खेलने के अपने अनुभव के आधार पर कुलदीप को बाहर रखने फैसला किया था। हमने पाया कि यहां तेज और स्पिन गेंदबाजों सहायता मिल रही थी। हमारी टीम संतुलित थी और मुझे लगता है जयदेव को शामिल करने का हमारा फैसला सही था। कुलदीप ने महीने बाद टीम में वापसी करते हुए पहले ही टेस्ट मैच में विकेट लेने के साथ ही बल्लेबाजी के दौरान 40 रन भी बनाये थे। उस टेस्ट में मैन ऑफ द मैच चुना गया था। राहुल ने कहा'' कुल को बाहर रखने का फैसला आसान नहीं था क्योंकि उसने पहले में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था पर मैच से एक दिन पहले पिच देखने के बाद हमें लगा कि इससे तेज गेंदबाजों को लाभ मिलेगा कारण हमने सर्वश्रेष्ठ और संतुलित टीम उतारने जयदेव को शा किया। भारतीय टीम को बांग्लादेश की दूसरी पारी में उस स कुलदीप की कमी महसूस हुई जब बांग्लादेश की टीम चार वि 70 रनों पर ही खोने के बाद भी अंत में 231 रन बनाने में स रही।

सनराइजर्स हैदराबाद में आकर खुश हैं मयंक

मुम्बई । पिछले सत्र में पंजाब किंग्स के कप्तान रहे म अग्रवाल को इस बार सनराइजर्स हैदराबाद ने मोटी रकम देकर ख है। इससे मयंक भी खुश हैं। इस बल्लेबाज ने कहा मैं थोड़ा नर्वस उत्साहित हूं पर मैं हैदराबाद टीम का हिस्सा बनकर खुश हूं। मुझे दौरान मुथैया मुरलीधरन और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों के साथ करने का अवसर मिलेगा। इन खिलाड़ियों के लंबे अंतरराष अनुभव से भी मुझे सीखने को मिलेगा। मयंक को हैदरा फ्रेंचाइचीन ने 8.25 करोड़ में खरीदा है। मयंक पंजाब की ओ पिछले सत्र में बल्लेबाजी में नाकाम रहे थे। वहीं पंजाब के पूर्व म कोच अनिल कुंबले ने भी इसपर खुशी जताई है कि मयंक हैदराबाद टीम में जगह मिली है। उन्होंने कहा कि मयंक को वातावरण से सहायता मिलेगी। कुंबले ने कहा मयंक पंजाब के कप्तान रहे हैं और उन्हें टीम ने रिलीज कर दिया था। मैं इससे खु कि उन्हें सनराइजर्स जैसी टीम में जगह मिली।

बिंद्रा की तरह ओलंपिक स्वर्ण जीतना चाहते हैं रुद्रांक्ष

नई दिल्ली ।

इफल निशानेबाज रुद्रांक्ष न के लिए ये साल अच्छा रहा वह काहिरा में दिग्गज नेबाजों को पीछे छोड़ते हुए चैंपियन बने। अब उनकी ओलंपिक स्वर पदक विजेता नेबाज अभिनव बिंद्रा की री करने पर टिकी हैं। रुद्रांक्ष ाहिरा में दस मीटर एयर ल में शानदार प्रदर्शन कर ओलंपिक 2024 के लिए भी हासिल किया है। अब ा लक्ष्य इसमें स्वर्ण जीतना । इस साल रुद्रांक्ष के अलावा कई अन्य युवा निशानेबाज भी सामने आये है। रुद्रांक्ष के अलावा ट्रैप निशानेबाज भवनीश मेंदीरत्ता और 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वप्निल कुसाले ने पेरिस ओलंपिक में कोटा हासिल किया। हालांकि टोक्यों ओलांपिक में भारतीय निशानेबाज असफल रहे। इससे प्रशंसकों ने भारतीय राष्ट्रीय निशानेबाजी संघ पर भी निशाना साधा था। रुद्रांक्ष ने काहिरा में इटली के डेनिलो डेनिस सोलाजो को पीछे छोड़ककर स्वर्ण पदक जीता और एयर राइफल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले बिंद्रा के बाद दूसरे भारतीय निशानेबाज हैं। बिंद्रा तेजस्विनी सावंत मानवजीत सिंह संधू ओम प्रकाश मिठरवाल और अंकुर मित्तल के बाद भारत के सिर्फ छठे विश्व चैंपियन निशानेबाज हैं।

ऐसे में अब हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों और कई अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से रुद्रांक्ष ही नहीं बल्कि युवा मेंदिरत्ता और अनुभवी कुसाले को भी ओलंपिक से पहले अपने कौशल को निखारने का मौका मिलेगा। इसके अलावा अगले साल अगस्त में होने वाली विश्व चैंपियनशिप और अक्टूबर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में भारतीय

निशानेबाज दबदबा बनाने का प्रयास करेंगे। इसमें रुद्रांक्ष जैसे युवाकों के अलावा स्कीट निशानेबाज मेराज अहमद के पास भी बेहतर प्रदर्शन का अवसर होगा।

राहुल ने विकेट को बल्लेबाजी के लिए कठिन बताया

मीरपुर । भारतीय टीम के कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के बाद कहा कि विकेट बल्लेबाज के लिए कठिन था। साथ ही माना कि जिस प्रकार भारतीय बल्लेबाज एक के बाद एक आउट हो रहे थे उससे भी ड्रेसिंग रुम में तनाव का माहौल था। टीम इंडिया ने आर अश्विन ओर श्रेयस अय्यर की शानदार बल्लेबाजी से दो टेस्ट मैचों की यह सीरीज 2-0 से अपने नाम की है। मैच के बाद राहुल ने कहा मैं झूठ नहीं बोलूंगा पर ड्रेसिंग रूम में तनाव का माहौल था। राहुल ने मैच के बाद कहा आप बीच के खिलाड़ियों पर भरोसा करते हैं पर यह भी सही है कि जिस प्रकार से विकेट गिर रहे थे उससे ड्रेसिंग रूम में काफी तनाव बना हुआ था। यह बल्लेबाजी के लिए कठिन विकेट था मेजबान टीम ने हमें दोनों पारियों में दबाव में बनाये रखा। हमने लक्ष्य का पीछा करते हुए बीच के दौर में तेजी से विकेट खो दिये थे। हमारा गेंदबाजी आक्रमण पिछले कई वर्षों से ऐसा ही है। हाल के वर्षों में हम जहां भी विदेश गए हैं हमने काम किया है। इस मैच में बांग्लादेश से मिले 145 रनों के जीत के लक्ष्य को भारतीय टीम ने सात विकेट के नुकसान पर हासिल किया हालांकि राहुल दोनो ही पारियों में रन नहीं बना पाये। इससे पहले वह पहले टेस्ट में भी विफल रहे थे।

हार से निराश शाकिब बोले टीम ने अंतिम क्षण तक संघर्ष किया

रपुर । बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने यहां टीम इंडिया के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में मिली हार पर निराशा व्यक्त की है। इस में भारतीय टीम ने तीन विकेट से जीत के साथ ही सीरीज अपने नाम की है। शाकिब ने कहा कि उनके पास मैच जीतने का अवसर था पर वह न रहे। शाकिब ने यह भी कहा कि उनकी टीम ने जिस प्रकार अंतिम क्षण तक भारतीय टीम से संघर्ष किया उसपर उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है। के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में शाकिब ने कहा हर किसी ने इस मैच में अपना योगदान दिया। हमें हमेशा से ही पता था कि मीरपुर में हमारे अवसर है। यहां एक अच्छा मैच हुआ जिसे दर्शकों ने पसंद किया। उन्होंने साथ ही कहा दोनों टीमें वास्तव में अच्छी थीं पर भारतीय टीम को और अश्विन के कारण ही जीत मिली। एक समय हमने भारतीय टीम के सात विकेट गिरा दिये थे पर इसके बाद इन दोनो ने ही दबाव के बीच भी साझेदारी कर मैच पर कब्जा कर लिया जबकि हमें जीत के लिए बस एक विकेट की जरूरत थी।

एफआईएच ओडिशा हॉकी विश्व कप के लिए उत्साह चरम पर

राउरकेला में सभी टिकट बिके

भुवनेश्वर।

जैसे-जैसे एफआईएच डिशा हॉकी विश्व कप 2023 नेश्वर-राउरकेला का समय ब आ रहा है, दुनिया भर के ी प्रशंसकों के बीच उत्साह ने चरम पर पहुंच गया है। 13 वरी, 2023 को शुरू होने इस टूर्नामेंट में दुनिया भर की एक्शन को देखने के लिए टिकट खरीदने के लिए 19 दिसंबर को नवनिर्मित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम के बाहर बड़ी संख्या में एकत्र हुए और एक हफ्ते के भीतर सभी टिकट बिक गए। 20,000 से अधिक बैठने वाले राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में कुल 20 मैच होंगे। इस बीच, भुवनेश्वर का प्रतिष्ठित कलिंगा जिसमें क्रॉस ओवर, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और एफआईएच ओडिशा हॉकी विश्व कप 2023 फाइनल शामिल हैं। स्पेन के साथ पूल डी में रखी गई भारतीय पुरुष हॉकी टीम 13 जनवरी को राउरकेला में स्पेन के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी। 20,000 से अधिक बैठने वाले राउरकेला के

स्टेडियम, जिसकी बैठने की क्षमता 15,000 से अधिक है, 24 मैचों की मेजबानी करेगा, जिसमें क्रॉस ओवर, क्वार्टर फाइनल, भाग लेने वाली 16 टीमें ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, नीदरलैंड, भारत, अर्जेंटीना, जर्मनी, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, फ्रांस, कोरिया,

1.5 मिलियन डॉलर की डील करने के बाद, शतरंज जीएम अर्जुन नजरें विश्व खिताब पर

चेन्नई। 19 वर्षीय शतरंज ग्रैंडमास्टर (जीएम) अर्जुन कुमार एरिगैसी ने 2021 और 2022 में अंतर शतरंज जगत में शानदार प्रदर्शन किया है। 2022 में अर्जुन ने सिंगापुर स्थित क्वांटबॉक्स रिसर्च के साथ साल के 1.5 मिलियन डॉलर के प्रायोजन सौदे पर हस्ताक्षर किया है। प्रायोजन सौदा उनके दिमाग से चिंता को दूर करेगा, ताकि वह अपने शतरंज कौशल को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर सकें और शतरंज चैंपियन बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तैयार हो सकें। शायद भारतीय शतरंज में सबसे प्रायोजन सौदों में से एक, क्वांटबॉक्स की शुरूआत एक पूर्व शतरंज खिलाड़ी और अर्जुन के बड़े प्रशंसक सिंह ने की थी। अर्जुन ने एक साक्षात्कार में आईएएनएस को बताया, मेरे खेलने के कार्यक्रम में कोई ब नहीं होगा। स्पॉन्सरशिप के साथ एलो रेटिंग हासिल करने, टूर्नामेंट जीतने में कोई बड़ी बात नहीं है। प्रायोज कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है ताकि मैं अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर सकूं। विश्व चैंपियन बनने के लक्ष्य की ओर पहला कदम कैंडिडेट्स के रूप में टूर्नामेंट 2024 में क्वालीफाई करना है। उम्मीदवारों के क्वालीफाई करने के लिए, किसी ग्रैंड मास्टर को अजरबैजान में आयोजित होने वाली विश्व कप चैम्पिय 2023 में शीर्ष तीन में खेलना और खत्म करना होगा, या फिडे ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट 2023 में शीर्ष दो स्ल

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गीता में कहा गया है कि शुक्ल पक्ष में मरने वाला वापस लौट कर नहीं आता?

चारों वोदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। गीता ही प्रमुख धर्मग्रंथ है। गीता में कहा गया है कि शुक्ल पक्ष में मृत्यु को प्राप्त व्यक्ति वापस नहीं लौटता और कृष्ण पक्ष में मृत्यु को प्राप्त व्यक्ति वापस लौट आता है अर्थात उसे फिर से जन्म लेना होता है। उल्लेखनीय है कि भीष्म ने अपना शरीर तब तक नहीं छोड़ा था जब तक की उत्तरायण का शुक्ल पक्ष नहीं आ गया था। लाखों लोग हैं जो शुक्ल पक्ष में मरते हैं और लाखों ऐसे लोग भी हैं जो कृष्ण पक्ष में मरते हैं तो क्या शुक्ल पक्ष में मरने वाले सभी लोगों को मोक्ष मिल जाता है? क्या वह वापस धरती पर नहीं लौटते हैं? दरअसल, गीता में यह बात उन लोगों के लिए कही गई है जो कि ध्यानी, योगी या अनन्य भक्त हैं। आम व्यक्ति को मरने के कुछ ही समय बाद दूसरा जन्म ले लेता है लेकिन जो पाप कर्मी है उसे दूसरा जन्म लेने में कठिनाई होती है। मतलब यह कि वह भूत, प्रेत या पिशाच योगी भोगने के बाद ही जन्म लेगा। यह भी हो सकता है कि वह मनुष्य योनी को छोड़कर निचले स्तर की योनी में चला जाए। मतलब यह कि उसका डिमोशन हो जाए। कृष्ण का शुक्ल और कृष्ण मार्ग का ज्ञान-

यत्र काले त्वनावत्तिमावृत्तिं चैव योगिनः।
प्रयाता यान्ति तं कालं वक्ष्यामि भरतर्षभ।

भावार्थ : हे अर्जुन! जिस काल में (यहाँ काल शब्द से मार्ग समझना चाहिए, क्योंकि आगे के श्लोकों में भगवान ने इसका नाम 'सृति', 'गति' ऐसा कहा है।) शरीर त्याग कर गए हुए योगीजन तो वापस न लौटने वाली गति को और जिस काल में गए हुए वापस लौटने वाली गति को ही प्राप्त होते हैं, उस काल को अर्थात दोनों मार्गों को कहूँगा।

अग्निर्ज्योतिरहः शुक्लः षण्मासा उत्तरायणम।
तत्र प्रयाता गच्छन्ति ब्रह्म ब्रह्मविदो जनाः।

भावार्थ : जिस मार्ग में ज्योतिर्मय अग्नि-अभिमानी देवता हैं, दिन का अभिमानी देवता है, शुक्ल पक्ष का अभिमानी देवता है और उत्तरायण के छः महीनों का अभिमानी देवता है, उस मार्ग में मरकर गए हुए ब्रह्मवेत्ता योगीजन उपयुक्त देवताओं द्वारा क्रम से ले जाए जाकर ब्रह्म को प्राप्त होते हैं।

धूमो रात्रिस्तथा कृष्ण षण्मासा दक्षिणायनम।
तत्र चान्द्रमसं ज्योतिर्योगी प्राप्य निवर्तते।

भावार्थ : जिस मार्ग में धूमाभिमानी देवता है, रात्रि अभिमानी देवता है तथा कृष्ण पक्ष का अभिमानी देवता है और दक्षिणायन के छः महीनों का अभिमानी देवता है, उस मार्ग में मरकर गया हुआ सकाम कर्म करने वाला योगी उपयुक्त देवताओं द्वारा क्रम से ले गया हुआ चंद्रमा की ज्योत को प्राप्त होकर स्वर्ग में अपने शुभ कर्मों का फल भोगकर वापस आता है।

शुक्ल कृष्णे गती ह्येते जगतः शाश्वते मते।
एकया यात्यनावृत्ति मन्ययावर्तते पुनः।

भावार्थ : क्योंकि जगत के ये दो प्रकार के- शुक्ल और कृष्ण अर्थात देवयान और पितृयान मार्ग सनातन माने गए हैं। इनमें एक द्वारा गया हुआ (अर्थात इसी अध्याय के श्लोक 24 के अनुसार अर्चिमार्ग से गया हुआ योगी।)- जिससे वापस नहीं लौटना पड़ता, उस परमगति को प्राप्त होता है और दूसरे के द्वारा गया हुआ (अर्थात इसी अध्याय के श्लोक 25 के अनुसार धूममार्ग से गया हुआ सकाम कर्मयोगी।) फिर वापस आता है अर्थात जन्म-मृत्यु को प्राप्त होता है।

क्या है कृष्ण और शुक्ल पक्ष?

हिन्दू माह में तीस दिन होते हैं। तीस दिनों को चंद्र के घट-बढ़ के अनुसार 15-15 तिथियों में बांटा गया है। चंद्र जब बढ़ने लगता है तो उस काल को शुक्ल पक्ष और जब घटने लगता है तो उस काल को कृष्ण पक्ष कहते हैं। शुक्ल पक्ष की अंतिम तिथि पूर्णिमा और कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि अमावस्या होती है। शुक्ल पक्ष को देवताओं का दिन और कृष्ण पक्ष को पितरों का दिन कहते हैं। इसी तरह उत्तरायण को देवताओं का काल और दक्षिणायन को पितरों का काल कहते हैं।

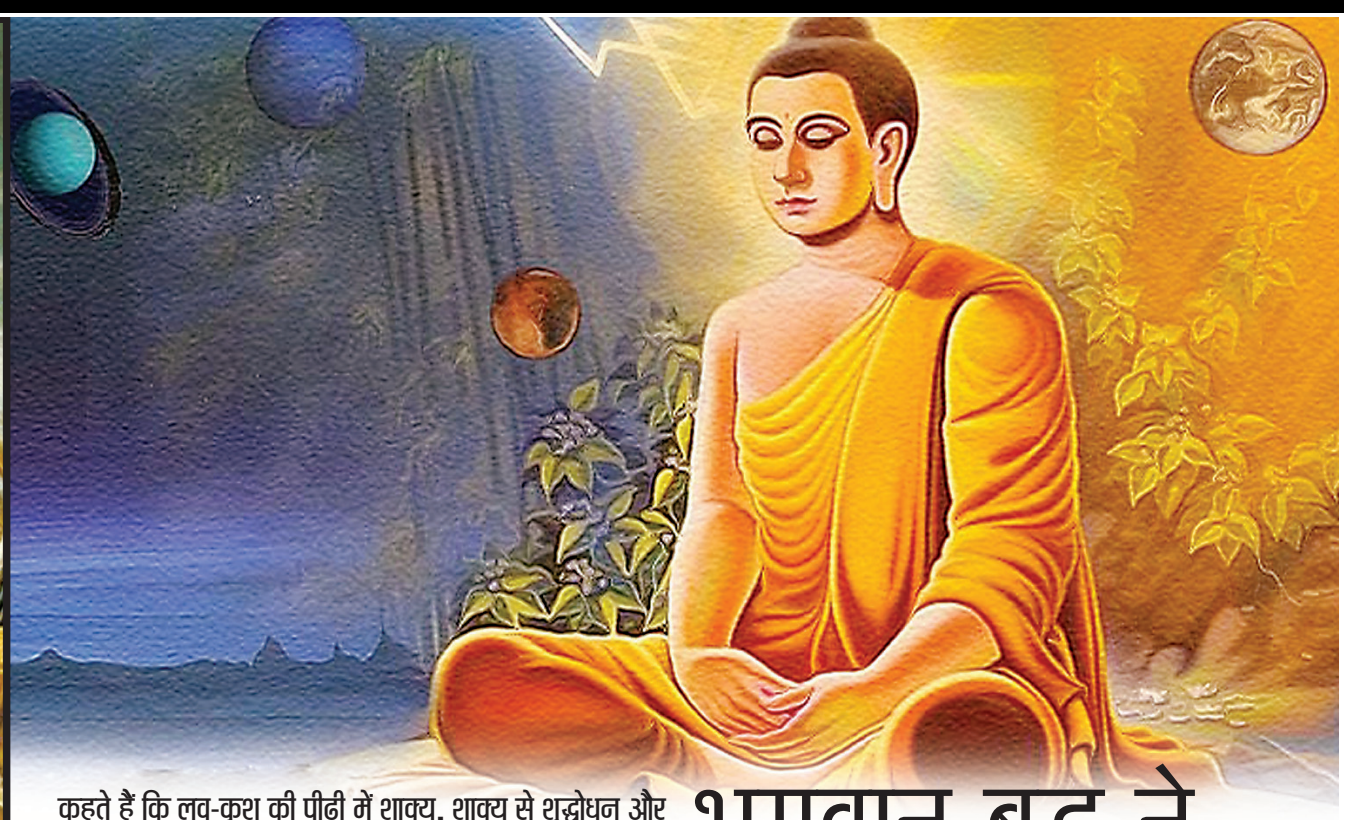

भगवान बुद्ध ने नहीं दिए थे इन प्रश्नों के उत्तर?

कहते हैं कि लव-कुश की पीढ़ी में शाक्य, शाक्य से शुद्धोधन और शुद्धोधन से सिद्धार्थ का जन्म हुआ। यह सिद्धार्थ ही आगे चलकर गौतम बुद्ध ने नाम से प्रसिद्ध हुए। गौतम बुद्ध के दर्शन में अनीश्वरवाद, अनात्मवाद और क्षणिकवाद को महत्व दिया जाता है। उनका मानना था कि संबुद्ध होना ही सत्य है। इसके लिए ही उन्होंने आष्टांगिक मार्ग बताएं हैं।

गौतम बुद्ध से उनके जीवन में लाखों प्रश्न पूछे गए लेकिन उनमें से 14 प्रश्नों के उन्होंने जवाब नहीं दिए। जब भगवान बुद्ध से जीव, जगत आदि के विषय में चौदह दार्शनिक प्रश्न किए जाते थे तो वे सदा मौन रह जाते थे। ये प्रसिद्ध चौदह प्रश्न निम्नांकित हैं-

1-4 क्या लोक शाश्वत है? अथवा नहीं? अथवा दोनों? अथवा दोनों नहीं?
5-8 क्या जगत नाशवान है? अथवा नहीं? अथवा दोनों? अथवा दोनों नहीं?
9-11. तथागत देह त्याग के बाद भी विद्यमान रहते हैं? अथवा नहीं? अथवा दोनों? अथवा दोनों नहीं?
11-14 क्या जीव और शरीर एक हैं? अथवा भिन्न?
14 अव्याकृत प्रश्न : बौद्ध धर्म में इन प्रश्नों को अव्याकृत कहा गया है। अव्याकृत का अर्थ है जो व्याकरण-सम्मत नहीं है।

क्यों उत्तर नहीं दिया

उक्त प्रश्न पर बुद्ध मौन रह गए। इसका तात्पर्य यह नहीं कि वे इनका उत्तर नहीं जानते थे। उनका मौन केवल यही सूचित करता है कि यह व्याकरण-सम्मत नहीं थे। इनसे जीवन का किसी भी प्रकार से भला नहीं होता। उक्त प्रश्नों के पक्ष या विपक्ष में दोनों के ही प्रमाण या तर्क जुटाए जा सकते हैं। इन्हें किसी भी तरह से सत्य या असत्य सिद्ध किया जा सकता है। यह पारमार्थिक दृष्टि से व्यर्थ है।

जानिए हिन्दू देवता पूषन देव को

पूषन एक वैदिक देवता है। पूषन वह देवता हैं जो विवाह के संचालन में मदद करते, सुरक्षित यात्रा प्रदान करते और उन दिलों में वास करते हैं जो पशुओं को भोजन खिलाते हैं। वह हमारे कर्मों के अनुसार वे फल देते हैं। वह आत्माओं को दूसरे संसार की यात्रा करने के लिए पथप्रदर्शन करते हैं। वह लोगों की मृत्यु के समय के दौरान अपनी सुंदर उपस्थिति दिखाकर उनके भय को दूर करते हैं। वह तीर्थ यात्रियों को चोरों और जानवरों से बचाते हैं और लोगों को दुश्मनों, दुर्घटनाओं और अप्राकृतिक मृत्यु से बचाकर लोगों को दिव्य पथ पर ले जाते हैं। वह देने वाले देवता भी हैं जो हमरे जीवन में धन, स्वास्थ और समृद्धि देते हैं। जब हम एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते हैं, तो वह हमारे सामान की सुरक्षा भी करते हैं। वह हमारे दिमाग में बुरे विचारों को दूर करते हैं, काला जादू को दूर करते हैं और कई खतरनाक बीमारियों को ठीक करते हैं।

वह मुख्य रूप से सभी प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं से लोगों को राहत देते हैं जो चक्रवात, बाढ़, भारी बारिश और सुनामी के कारण होती हैं। वह शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए, हमारे लिए सभी कार्य करते हैं। वह हमेशा उन भक्तों की देखभाल करते हैं जो किसी भी रूप में ईश्वर की पूजा करते हैं और चाहें दूसरे धर्म के लोग भी हो, लेकिन वे लोगों से केवल यही अपेक्षा रखते हैं कि वे भगवान की सच्ची भक्ति करें। यदि हमारे अंदर ईश्वर के लिए शुद्ध भक्ति है, तो वह हमारे पूर्व कर्मों के आधार पर हमरे जीवन में अच्छे काम करेंगे। वह हमारे बुरे कर्मों को कुछ हद तक कम करने और हमारे जीवन में अच्छे परिणाम देने की शक्ति भी रखते हैं लेकिन वह किसी व्यक्ति के पूरे भाग्य को नहीं बदल सकते हैं। उनका उल्लेख ऋग्वेद और प्राचीन पुराणों और धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है। वह यज्ञ में भाग भी लेते हैं। वह यज्ञ कर्ता और लोगों को आशीर्वाद देते हैं। वह विभिन्न बीमारियों जैसे खांसी, सर्दी, दमा, हृदय की समस्याओं और कई अन्य लंबे समय से चली आ रही बीमारियों से तेजी से राहत दिलाएंगे। वह लोगों को मानसिक विकार, मन में भ्रम, ऊर्जा की कमी, सुस्ती, आलस्य और मानसिक अस्थिरता से भी छुटकारा दिलाते हैं। विभिन्न होम का आयोजन करते समय उनका नाम कई बार दोहराया जाता है। उन्हें इंद्र, वरुण, अग्नि, वायु, सूर्य और चंद्र जैसे वैदिक देवताओं के समकक्ष माना जाता है। उसके पास अलौकिक शक्तियां हैं और आपकी पुकार सुनकर किसी भी क्षण किसी भी स्थान पर पहुंच जाएंगे। हम उसके नाम का बार-बार जाप कर सकते हैं, ताकि वह जीवन के हर पड़ाव में हमारे साथ हों। पुराणों में पूषन को 12 आदित्यों में से एक के रूप में वर्णित किया गया है और वे अदिति एवं कश्यप के पुत्र हैं। उनके भाई सूर्य, वरुण और इंद्र हैं। वह हमारे लिए एक अंगरक्षक के रूप में कार्य करते हैं और हमारे दैनिक जीवन में हमारी सभी इच्छाओं को पूरा करते हैं। यद्यपि वह अन्य देवताओं के समान नहीं जाने जाते हैं। वह वैदिक देवताओं में भी एक है और पृथ्वी पर लोगों की मदद करते हैं। वह भगवान इंद्र द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने कर्तव्यों को करते हैं और उसके लिए एक सहायक मित्र के रूप में भी कार्य करते हैं। वह अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन करने के लिए वायु, वरुण, सूर्य और चंद्र जैसे अन्य देवताओं के साथ भी परस्पर बातचीत करते हैं। वह कई ऋषियों द्वारा पूजे जाते हैं, और वे ऋषि उनसे आशीर्वाद लेते हैं। वह ऋषियों को उनकी तपस्या को सही तरीके से करने में मदद करते हैं और तपस्या करते समय उनके कारण हुई भूल को दूर करते हैं। सामान्य तौर पर, हम कह सकते हैं कि वह पूरी दुनिया के लिए मित्रवत हैं। आइए हम उनकी महिमा का गुणगान करें और धन्य हों।

श्रीकृष्ण का यह मंदिर मात्र 2 मिनट के लिए बंद होता है

केरल के कोट्टायम जिले में तिरुवेरपु या थिरुवरप्पु में भगवान श्रीकृष्ण का एक प्रसिद्ध और चमत्कारिक मंदिर है जिसे तिरुवरप्पु श्रीकृष्ण मंदिर कहते हैं। इस मंदिर के संबंध में कई तरह की किंवदंतियां जुड़ी हुई हैं। एक यह है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने कंस को मारा था तो उनको बहुत भूख लगने लगी थी। कहते हैं कि यहां की श्रीकृष्ण की मूर्ति को भूख बर्दाश्त नहीं होती है। 1,500 साल पुराने इस मंदिर की दूसरी खासियत यह है कि यह मंदिर 24 घंटे में से मात्र 2 मिनट के लिए ही बंद होता है और वह समय है- सुबह 1158 बजे से 1200 बजे तक। मंदिर 2 मिनट से ज्यादा बंद नहीं रख सकते। इसके लिए पुजारी को एक कुल्हाड़ी दी जाती है, क्योंकि मंदिर खोलते वक्त यदि देर हो तो वह कुल्हाड़ी से ताला तोड़ दे। दरवाजा खोलने के लिए चाबी दी जाती है, लेकिन यदि चाबी कहीं फंस जाए तो तुरंत कुल्हाड़ी का उपयोग करें।

इसके पीछे मान्यता है कि यहां भगवान कृष्ण हमेशा भूखे रहते हैं और वे जरा भी देर के लिए भूख बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। इसीलिए यदि चाबी के साथ दरवाजा खोलने में कोई देरी होती है, तो पुजारी को कुल्हाड़ी से दरवाजा खोलने की अनुमति दी जाती है। यहां कम से कम 10 बार नैवेद्यम चढ़ाया जाता है। अभिषेकम समाप्त होने के बाद स्वामी (श्रीकृष्ण) का सिर पहले सूख जाता है। तब नैवेद्यम चढ़ाया जाता है और फिर केवल उसका शरीर सूख जाता है। कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण के सोने का समय 1158 बजे से दोपहर 1200 बजे तक ही है। केवल 2 मिनट! भक्तों के लिए यह मंदिर सुबह के लगभग 2 बजे खुलता है।

यह मंदिर ग्रहण के समय भी बंद नहीं होता है। शंकराचार्य के समय एक बार इस मंदिर को ग्रहण के समय बंद कर दिया गया था। बाद में जब दरवाजा खोला गया तो उन्होंने पाया कि स्वामी की कमर की पट्टी नीचे खिसक गई है। उस समय आए आदिशंकराचार्य ने बताया कि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि भगवान श्रीकृष्ण बहुत भूखे थे, तब से यह मंदिर ग्रहण काल के दौरान भी बंद नहीं किया जाता है। कहते हैं कि जो भी यहां का थोड़ा भी प्रसाद ग्रहण कर लेते हैं, उसे ऐसा लगता है कि पेट भर गया। यहां से प्रसादम का सेवन किए बिना किसी भी भक्त को जाने की अनुमति नहीं है। हर दिन 1157 बजे (मंदिर को बंद करने से पहले) पुजारी जोर से पुकारता है कि क्या कोई भी यहां है जिसने प्रसाद नहीं लिया हो?

ऐसा भी कहा जाता है कि जो भी व्यक्ति एक बार यहां का प्रसाद ग्रहण कर लेता है, वह फिर जीवन में कभी भी भूखे नहीं रहता है। मतलब यह कि उसके जीवन में भोजन प्राप्त करने में कोई समस्या नहीं होती है। यहां अप्रैल के महीने में 10 दिनों तक वार्षिक उत्सव मनाया जाता है। त्योहार का मुख्य आकर्षण यह है कि यहां युवा कुंआरी लड़कियां समारोहों के दौरान दीप जलाती हैं। इस मंदिर के बारे में एक कथा यह भी प्रचलित है कि महाभारत काल में जब पांडव जंगल में रहते थे तो श्रीकृष्ण ने उन्हें 4 हाथ वाली अपनी प्रतिमा दी थी। जब पांडव जंगल से जाने लगे तो चेरथलाई लोगों ने यह मूर्ति उनसे ले ली। कुछ काल तक वे इसकी पूजा करते रहे लेकिन बाद में उन्होंने कुछ कारणों से इसे समुद्र में फेंक दिया। लंबे समय के बाद यह मूर्ति केरल के एक महान ऋषि को मिली, जब वे नाव से यात्रा कर रहे थे। कहते हैं कि जब उनकी नाव डूब रही थी, तब इस मूर्ति को लेकर कोई दिव्य पुरुष प्रकट हुआ और उसने यह मूर्ति उन्हें दी थी। इस मूर्ति को लाकर उन ऋषि ने उसे यहां स्थापित कर दिया। इस संबंध में और भी कहानियां प्रचलित हैं।

मार्गशीर्ष माह में पूजें शंख को जानिए पूजन सामग्री की सूची विधि एवं मंत्र

धर्म शास्त्रों के अनुसार सुख-सौभाग्य में वृद्धि के लिए शंख को अपने घर में स्थापित करना चाहिए। माना जाता है कि अगहन (मार्गशीर्ष) के महीने में शंख पूजन का विशेष महत्व है। अगहन के महीने में किसी भी शंख को भगवान श्रीकृष्ण का पंचजन्य शंख मान कर उसका पूजन-अर्चन करने से मनुष्य की समस्त इच्छाएं पूरी होती हैं। विष्णु पुराण के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान प्राप्त हुए 14 रत्नों में से ये एक रत्न है शंख। प्रतिदिन घर में शंख पूजन करने से जीवन में कभी भी रुपए-पैसे, धन की कमी महसूस नहीं होती। इसके अलावा दक्षिणावर्ती शंख को लक्ष्मी स्वरूप कहा जाता है। इसके बिना लक्ष्मी जी की आराधना पूरी नहीं मानी जाती है। अगहन मास में खास तौर पर लक्ष्मी पूजन करते समय दक्षिणावर्ती शंख की पूजा अवश्य करनी चाहिए।

शंख पूजन सामग्री की सूची

*शंख *कुंमकुंम *चावल *जल का पात्र *कच्चा दूध
*एक स्वच्छ कपड़ा *एक तांबा या चांदी का पात्र (शंख रखने के लिए)
*सफेद पुष्प *इत्र *कपूर *केसर *अगरबत्ती
*दीया लगाने के लिए शुद्ध घी *भोग के लिए नैवेद्य *चांदी का वर्क आदि।

कैसे करें पूजन

- प्रातः काल में स्नान कर स्वच्छ धुले हुए वस्त्र धारण करें।
- पटिए पर एक पात्र में शंख रखें।
- अब उसे कच्चे दूध और जल से स्नान कराएं।
- अब स्वच्छ कपड़े से उसे पोंछें और उस पर चांदी का वर्क लगाएं।
- तत्पश्चात घी का दीया और अगरबत्ती जला लीजिए।
- अब शंख पर दूध-केसर के मिश्रित घोल से श्री एकाक्षरी मंत्र लिखें तथा उसे चांदी अथवा तांबा के पात्र में स्थापित कर दें।
- अब उपरोक्त शंख पूजन के मंत्र का जप करते हुए कुंमकुंम, चावल तथा इत्र अर्पित करके सफेद पुष्प चढ़ाएं।
- नैवेद्य का भोग लगाकर पूजन संपन्न करें।
- अगहन मास में निम्न मंत्र से शंख पूजा करनी चाहिए -

त्वं पुरा सागरोत्पन्न विष्णुना विधृतः करे।
निर्मितः सर्वदेवैश्च पाञ्चजन्य नमोस्तु ते।
तव नादेन जीमूता वित्रसन्ति सुरासुराः।
शशांकायुतदीप्ताभ पाञ्चजन्य नमोस्तुते।

एनजीओ में महिलाओं की नियुक्ति पर रोक की अमेरिका ने निंदा की

काबुल। अमेरिका ने अफगानिस्तान में गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) में महिलाओं की नियुक्ति पर रोक संबंधी आदेश को लेकर तालिबान की निंदा करते हुए कहा है कि इस पाबंदी के कारण लाखों लोगों को जीवन रक्षक सहायता में व्यवधान उत्पन्न होगा। पिछले साल तालिबान के सत्ता में काबिज होने से अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था चरमरा गयी और लाखों लोग गरीबी एवं भुखमरी की स्थिति में पहुंच गये। रातोंरात विदेशी सहायता रूक गयी। तालिबान शासकों पर पाबंदियों, बैंक से लेनदेन की रोक तथा अफगानिस्तान के अरबों डॉलर मुद्रा भंडार की निकासी पर रोक ने वैश्विक संस्थानों तक उसकी पहुंच को सीमित कर दिया है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शनिवार को कहा, दुनियाभर में महिलाएं मानवीय सहायता संचालन के केंद्र में हैं। यह (गैर सरकारी संगठनों में भर्ती पर रोक का) फैसला अफगान लोगों के लिए विनाशकारी होगा।'' अफगानिस्तान के वित्त मंत्री कारी दिन मोहम्मद हनीफ के पत्र में एनजीओ संबंधी यह आदेश आया है, जिसमें कहा गया है कि अगर कोई एनजीओ आदेश का पालन नहीं करता है तो अफगानिस्तान में उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। पिछले साल, तालिबान द्वारा अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा किये जाने के बाद से महिला अधिकारों एवं स्वतंत्रता पर यह एक नवीनतम प्रहार है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि वह पाबंदी की इस खबर से बहुत परेशान हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, '' संयुक्त राष्ट्र तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठनों समेत उसके साझेदार 2.8 करोड़ से अधिक अफगानों की मदद कर रहे हैं, जो जीवित रहने के लिए मानवीय सहायता पर निर्भर हैं।'' सहायता एजेंसियों और गैर सरकारी संगठनों की ओर से रविवार को बयान जारी किये जाने की संभावना है।

तमिलनाडु में लिट्टे को फिर से खड़ा करने की कोशिश में आईएसआई

कोलंबो। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई तमिलनाडु में आतंक फैलाने की कोशिश में है। लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) जिसे लिट्टे के रूप में जाना जाता है उस आईएसआई पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही है। इस रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने इस सप्ताह की शुरुआत में लिट्टे के पुनरुद्धार से संबंधित एक अवैध ड्रग्स और हथियारों के मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया था। एनआईए ने कहा कि यह मामला श्रीलंका के ड्रग माफिया की गतिविधियों से संबंधित है जो गुनाशेखरन और पुष्पराजा द्वारा पाकिस्तान में स्थित ड्रग्स और हथियार सप्लायर हाजी सलीम के सहयोग से नियंत्रित है। रिपोर्ट के अनुसार यह मॉड्यूल भारत और श्रीलंका में काम कर रहा है। इतना ही नहीं लिट्टे के पुनरुद्धार के लिए धन जुटाने के लिए दवाओं और हथियारों की तस्करी कर रहा है। पाकिस्तान द्वारा दक्षिण भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देना कोई नई बात नहीं है। 2014 में एनआईए ने एक मॉड्यूल का पता लगाया था जिसे कोलंबो में पाकिस्तान उच्चायोग द्वारा नियंत्रित किया जा रहा था। उच्चायोग तमिलनाडु में कुछ गुर्गों की देखरेख कर रहा था जो कई जगहों की टोह लेकर हमला करने की योजना बना रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार इस मोड्यूल के जड़ से खत्म होने के बाद आईएसआई तमिलनाडु और श्रीलंका में लिट्टे आंदोलन को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है। इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी ने बताया कि फरवरी में लिट्टे आंदोलन को तमिल राष्ट्रवाद से जोड़कर इस पुनर्जीवित करने के प्रयास किए जा रहे थे। एनआईए ने संगठन के पूर्व गुर्गों को गिरफ्तार किया था और पाया कि ये यूरोप में कुछ व्यक्तियों से जुड़े थे। एक इंटेलिजेंस ब्यूरो डोजियर का कहना है कि आईएसआई द्वारा सहायता प्राप्त दवा उद्योग दवाओं की बिक्री के माध्यम से सालाना लगभग 380 अरब रुपये कमाता है। आईएसआई इस पैसे का इस्तेमाल अपने आतंकवादियों को धन मुहैया कराने के लिए करता है।

इमरान ने माना मेरी सरकार को हटने में पूर्व सीओएएस जिम्मेदार

लाहौर। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष और पूर्व पीएम इमरान खान ने दावा किया कि पाकिस्तान के पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी और सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह के साथ समझौता किया था। इसकी जानकारी स्थानीय मीडिया ने दी। रिपोर्ट के अनुसार पूर्व पीएम खान ने अपनी सरकार को हटाने के लिए पूर्व सीओएएस को जिम्मेदार ठहराया। इमरान खान की मानें तब यही वजह थी कि वह अपनी सरकार में देश से भ्रष?टाचार खत?म नहीं कर पा रहे थे। एक दिन पहले पीटीआई प्रमुख ने साफ किया था कि वह अभी के लिए प्रतिष्ठान के संपर्क में नहीं थे। इमरान ने हाल ही में स्वीकार किया था कि जनरल बाजवा को सेवा विस्तार देना एक गलती थी और उन्होंने पूर्व सेना प्रमुख पर उनके साथ विश्वासघात करने का भी आरोप लगाया था। पीटीआई ने देशभर में मध्यावधि चुनाव कराने के लिए सरकार पर दबाव डाला और खान ने भविष्यवाणी की कि उन्हें मार्च या अप्रैल में चुनाव होते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेशनल असेंबली के पीटीआई के सदस्य 26 दिसंबर (सोमवार) को अपने इस्तीफे की पुष्टि करने के लिए स्पीकर राजा परवेज अशरफ के सामने पेश होने वाले हैं। वहीं शाहबाज सरकार ने बाढ़ सहित कई कारणों का हवाला देकर समय से पहले चुनाव कराने से इनकार कर कहा है कि चुनाव अक्टूबर 2023 में हो सकते हैं। पंजाब में राजनीतिक उथल-पुथल के बारे में इमरान ने कहा हम क्यू-लीग (पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कायद) के साथ भी सहयोगी बने रहने वाले हैं क्योंकि वे हमारे साथ खड़े हैं। पीटीआई प्रमुख ने कहा मैं सत्ता में बने रहने के लिए जनता को पीड़ा नहीं दूंगा। एक बार फिर से अपनी सरकार बनाने के बाद मैं किसी भी चीज से समझौता नहीं करूंगा। पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी की आलोचना करते हुए खान ने कहा कि भुट्टो वंशज अपने साढ़े तीन साल के कार्यकाल के मुकाबले ज्यादा विदेश यात्रा पर गए हैं। खान ने पूछा इसके अलावा अगर वह दावा कर रहे हैं कि वह अपनी जेब से विदेश यात्राओं के लिए भुगतान कर रहे हैं तो क्या ये उनकी निजी यात्राएं हैं?

हम आग में घी नहीं डाल रहे रूस-यूक्रेन जंग के बीच चीन का बयान

बीजिंग। रूस और यूक्रेन जंग के बीच चीन ने रविवार को बड़ा बयान दिया है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि यूक्रेन संकट को लेकर हमने पूरी तरह से निष्पक्षता बरती है। चीन इसी सिद्धांत पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस जंग में आग में घी नहीं डाल रहे हैं। यी ने यूक्रेन-रूस युद्ध पर अपने देश की स्थिति का बचाव कर साफ संकेत दिया कि चीन आने वाले वर्ष में रूस के साथ संबंधों को गहरा करेगा। बीजिंग में उन्होंने कहा कि चीन को लेकर अमेरिका की गलत नीति को हमने दृढ़ता से खारिज कर दिया है। वांग ने दुनिया की 2 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच संबंधों में गिरावट के लिए अमेरिका को दोषी ठहराया। अमेरिका पर धमकाने का आरोप लगाकर वांग यी ने कहा कि व्यापार प्रौद्योगिकी मानवाधिकारों पर पश्चिमी दबाव है। यूक्रेन की ओर से किए जा रहे हमलों निंदा करने और रूस पर प्रतिबंध लगाने में अन्य देशों के साथ शामिल होने से इनकार करने से संबंध और बिगड़ गए हैं।

अमेरिका में भीषण बर्फीले तूफान से 23 लोगों की मौत

वाशिंगटन। विगत दिवस शाम तक अमेरिका में भीषण बर्फीले तूफान की चपेट में आने से कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि ये मौतें ओक्लाहोमा केंटकी मिसौरी टेनेसी विस्कॉन्सिन कंसास नेब्रास्का ओहियो न्यूयॉर्क कोलोराडो और मिशिगन राज्यों में हुई हैं। इनमें से 4 मौतें ओहियो के सैंडुस्की के पास ओहियो टर्नपाइक पर वाहनों के ढेर के कारण हुईं। गवर्नर माइक डेविन ने शनिवार को ट्वीट किया यदि आपको बाहर निकलना है तो धीरे-धीरे ड्राइव करें सीट बेल्ट लगा लें और एक सुरक्षित दूरी बनाए रखें हम चाहते हैं कि आप सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक जायें। अमेरिका मौसम के पूर्वानुमानकर्ताओं ने शनिवार को कहा कि सर्दियों का तूफान ग्रेट लेक्स को तेज हवाओं ठंडे तापमान और भारी हिमपात से प्रभावित कर रहा है। ऐतिहासिक बफ़ीले तूफान ने न्यूयॉर्क राज्य के बफेलो क्षेत्र में और उससे आगे यात्रा करना असंभव बना दिया है। इस दौरान उत्तर काउंटी फिंगर लेक्स और मध्य न्यूयॉर्क क्षेत्रों में 96 किमी प्रति घंटे से अधिक रफ्तार की तेज हवाएं चलीं। पश्चिमी न्यूयॉर्क में हवा की रफ्तार 127 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गयी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के अनुसार अमेरिका के भीतर या बाहर 3300 से अधिक उड़ानें शनिवार को रद्द कर दी गई हैं।

एथेंस में क्रिसमस के अवसर पर लोग कागज की लालटैन आकाश में छोड़ते हुए।

कैलिफोर्निया के पहले सिख महापौर बने भारतीय मूल के मिकी होथी

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक मिकी होथी को सर्वसम्मति से उत्तरी कैलिफोर्निया के लोदी शहर का महापौर चुन लिया गया है। मिकी होथी यह पद हासिल करने वाले शहर के इतिहास में पहले सिख हैं। होथी के माता-पिता भारत से हैं। होथी को नव-निर्वाचित पार्षद लिसा क्रेग ने नामित किया जिन्होंने नवंबर में महापौर मार्क चांडलर की सीट से चुनाव जीता था और उन्हें बुधवार की बैठक के दौरान सर्वसम्मति से उप महापौर चुना गया था। होथी परिषद के पांचवें जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं और पिछले साल महापौर चांडलर के अंतर्गत उप महापौर के रूप में कार्य किया था। चांडलर ने पिछली गर्मियों में घोषणा की थी कि वह फिर से चुनाव नहीं लड़ेंगे। होथी ने शुक्रवार को ट्वीट किया लोदी शहर के 117वें महापौर के रूप में शपथ ग्रहण कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि आर्मस्ट्रांग रोड पर गुरुद्वारे की स्थापना में होथी के परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। होथी ने कहा हमारा अनुभव यूनानी समुदाय जर्मन हिस्पैनिक (स्पैनिश भाषी) समुदाय के समान है जो हमसे पहले आए थे। उन्होंने कहा हर कोई लोदी इसलिए आया क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि परिवार के लिहाज से यह एक सुरक्षित शहर है। 2008 में टोके हाई स्कूल से पढाई करने वाले होथी के माता-पिता पंजाब से हैं। उन्होंने कहा कि शहर में खासकर 9/11 आतंकवादी हमले के बाद पलना-बढ़ना एक चुनौती थी जब कई मुसलमानों और सिखों ने अनुचित उत्पीड़न का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि लेकिन उनका परिवार न केवल जीवित रहा बल्कि लोदी में फला-फूला।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है चीन: वांग यी

हांगकांग (एजेंसी)। बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने रविवार को कहा कि बीजिंग द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और मजबूत करने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है। वांग यी ने कहा कि दोनों देश सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां 2020 से तनाव व्याप्त है। चीन के विदेश मंत्री ने 2022 में अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां और चीन के विदेशी संबंधों पर एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों ने राजनयिक और सैन्य स्तर पर संपर्क बरकरार रखा है। उन्होंने कहा,''चीन और भारत ने राजनयिक तथा सैन्य स्तर पर संपर्क बरकरार रखा है। दोनों ही देश सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

वांग यी को हाल में चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के अधिवेशन के दौरान उच्चाधिकार प्राप्त राजनीतिक ब्यूरो में पदोन्नत किया गया है। उन्होंने संगोष्ठी में कहा, ''हम चीन-भारत संबंधों को स्थिर और मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ने

के लिए भारत के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।'' चीन के विदेश मंत्री वांग यी और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भारत-चीन सीमा विवाद को सुलझाने के लिए गठित तंत्र में विशेष प्रतिनिधि हैं। यह तंत्र सीमा पर गतिरोध के मौजूदा दौर में निष्क्रिय बना हुआ है।

दोनों देशों ने गतिरोध दूर करने के लिए अब तक 17 दौर की वार्ता की है। वार्ता के बाद जारी एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की 17वीं दौर की बैठक 20 दिसंबर को हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों ने करीबी संपर्क बनाये रखने और सैन्य एवं राजनयिक माध्यमों से वार्ता जारी रखने पर सहमति जताई है। वांग यी ने अपने संबोधन में पाकिस्तान के साथ चीन के संबंधों का भी संक्षिप्त रूप से जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दोनों देश एक-दूसरे का दृढ़ता से समर्थन करना जारी रखे हुए हैं, सदाबहार रणनीतिक साझेदारी को बरकरार रखा है और मित्रता को मजबूत किया है।

चीन-अमेरिका के संबंधों पर वांग यी ने कहा, ''हमने चीन के प्रति अमेरिका की त्रुटिपूर्ण नीति को दृढ़ता से खारिज कर दिया है और दोनों देशों को एक-दूसरे के नजदीक लाने की सही राह तलाश रहे हैं।'' चीनी विदेश मंत्री ने कहा,''अमेरिका ने चीन को अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखना जारी रखा है और वह चीन को घेरने, दबाने तथा उकसाने में शामिल है, ऐसे में चीन-अमेरिका संबंध गंभीर कठिनाइयों के दौर से गुजर रहा है।'' ताइवान के मुद्दे पर वांग यी ने कहा कि अमेरिका की दादागीरी से चीन भयभीत नहीं है। उन्होंने कहा,''हम किसी भी शक्तिशाली देश या उसकी दादागीरी से भयभीत नहीं हैं और चीन के मूल हितों और राष्ट्रीय गौरव की रक्षा के लिए दृढ़ता से काम किया है।''

हालांकि, यूक्रेन पर रूसी हमले के बावजूद उन्होंने चीन-रूस संबंधों के विकास के बारे में खुलकर बात की।वांग यी ने कहा,''हमने रूस के साथ अच्छे-पड़ोसी देश के रूप में, मित्रता और सहयोग को गहरा किया है तथा चीन और रूस के बीच समन्वय की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और अधिक परिपक्व और लचीला बनाया है।'' उन्होंने कहा,''पिछले एक साल में, चीन और रूस ने अपने-अपने मूल हितों को बरकरार रखने में एक-दूसरे का मजबूती से समर्थन किया है, और इस दौरान हमारा आपसी राजनीतिक एवं रणनीतिक विश्वास और मजबूत हुआ है।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान ने घोषित किया आर्थिक आपातकाल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भीषण आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में सरकार को आखिरकार वित्तीय आपातकाल का ऐलान करना पड़ा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि देश में वर्तमान वित्तीय आपदा और धन की भारी कमी के कारण आर्थिक आपातकाल के निर्देश जारी करना अनिवार्य हो गया है अन्यथा आगे की वित्तीय तबाही से जनता के वेतन में रुकावट की स्थिति पैदा हो सकती है। पाक सरकार के अनुसार इन निर्देशों का क्रियान्वयन प्रत्येक सार्वजनिक /स्वायत्तशासी संगठन एवं वितरण पर अनिवार्य होगा। गौरतलब है कि पाकिस्तान में बेहद गरम सियासी माहौल के बीच देश की अर्थव्यवस्था के श्रीलंका की राह पर जाने के संकेत मजबूत हो रहे हैं। नीति निर्माताओं को अंदेशा है कि आर्थिक हालात बिगड़ने से देश राजनीतिक अस्थिरता की तरफ जा सकता है। ताजा आंकड़ों ने यहां सबकी चिंता बढ़ा दी है कि मौजूदा वित्त वर्ष में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट आ चुकी है। इसे देखते हुए अर्थशास्त्रियों ने देश में वित्तीय आपातकाल लागू करने की सलाह दी है ताकि हालात को और बिगड़ने से रोका जा सके। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार पाकिस्तान की इस हालत के लिए चीन का ऋण जाल जिम्मेदार है। आर्थिक विशेषज्ञों ने पाक सरकार को गैर जरूरी रक्षा खर्च घटाने 1600 सीसी से अधिक क्षमता वाले वाहनों पर इमरजेंसी टैक्स लगाने बिजली शुल्क दो गुना करने और आठ सौ वर्ग गज से अधिक के आवासीय जायदाद पर कर लगाने की सलाह शाहबाज शरीफ सरकार को दी है। कुछ सलाहकारों का मानना है कि कामकाज के दिनों को कम करके ईंधन और बिजली की वजह से पड़ने वाले आर्थिक बोझ से बचा जा सकता है। अधिकारियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सभी सरकारी वाहनों को प्रति माह 120 लीटर से अधिक ईंधन नहीं दिया जाना चाहिए। शहर/नगर/गाँव से कार्यालयीन कार्य के लिए बाहर जाने वाले कर्मचारियों को नियमानुसार दो डीएएस दिए जाएं। उनके ग्रेड और एक डीए से घटाकर सभी के वेतन से 25त्न से अधिक के सभी भत्तों को हटाकर वित्तीय कठिनाई को विनियमित करें। सरकारी कर्मचारी तुरंत ग्रेड 11 से 21 तक के कर्मचारियों को देश की वित्तीय संकट तक किसी भी चिकित्सा बिल का भुगतान करने से बचें।

अफगानिस्तान से हमले रोकने,सीमा सुरक्षा बढ़ाने के लिए पाक को धन देने को इच्छुक है अमेरिका : भुट्टो

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि पाकिस्तान में अफगानिस्तान से हमलों को रोकने और सीमा सुरक्षा बढ़ाने में मदद करने के लिए अमेरिका इस्लामाबाद को धन देने को इच्छुक है। रविवार को मीडिया में आई एक खबर में यह कहा गया है। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, 14-21 दिसंबर के दौरान अमेरिका की यात्रा करने वाले भुट्टो ने कहा कि उन्होंने 2023 में दी जाने वाली सीमा सुरक्षा धनराशि के विषय में वरिष्ठ अमेरिकी सांसदों के साथ बातचीत की है। भुट्टो ने अपनी इस यात्रा के दौरान अमेरिका के शीर्ष नीति-निर्माताओं से बातचीत की तथा जी-77 और चीन के बीच मंत्रिस्तरीय सम्मेलन की अध्यक्षता की।

जी-77 संयुक्त राष्ट्र में विकासशील देशों का सबसे बड़ा वार्ताकार समूह है। भुट्टो ने सवालों का जवाब देते हुए संवाददाताओं से कहा, '' दो वरिष्ठ सांसदों-- न्यूजर्सी के बॉब मेनेडेंज और दक्षिण कैरोलिना के लिंडसे ग्राहम ने मुझे बताया कि वे ''हमें सीमा सुरक्षा में मदद पहुंचाने के लिए 2023 के बजट में वित्त मुहैया कर रहे हैं।'' भुट्टो ने कहा कि सांसद मेनेडेंज अमेरिकी संसद के सीनेट की विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष हैं, जबकि वरिष्ठ रिपब्लिकन सांसद ग्राहम सीनेट की न्याय समिति के अध्यक्ष हैं। वाशिंगटन में 19 दिसंबर को अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता ने संवाददाता सम्मेलन में इस बात का जिक्र किया था कि अफगानिस्तान से गतिविधियां चलाने वाले तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान जैसे प्रतिबंधित संगठनों ने पाकिस्तानी लक्ष्यों पर हाल में हमले तेज कर दिये हैं।

अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा चीन, कोविड़ के मामले दबाने के लिए उठाया घिनौना कदम

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में फिर से बढ़ोतरी हो रही है। चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के नए वेरिएंट की चपेट में इस महीने करोड़ों लोग संक्रमित हो गए है। बीते कुछ दिनों में कोरोना वायरस संक्रमण ने तेजी से लोगों को अपनी चपेट में लिया है। चीन के अस्पतालों के अलावा यहां के शव गृहों में भी मृतकों की भारी भीड़ हो गई है। कई खबरों में देखा गया कि लाशों का अंबार लदा पड़ा है।

इसी बीच चीन में एक बार फिर से कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों को छिपाना शुरू कर दिया है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने जानकारी दी है कि चीन में 25 दिसंबर को कोरोना संक्रमण की किसी तरह की जानकारी साझा नहीं की जाएगी। हालांकि इससे पहले तक कोविड 19 के आंकड़ो को चीन ने हमेशा साझा किया है। वहीं कोविड 19 की जानकारी चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन द्वारा दिए जाने की बात कही गई है।

20 दिन में 25 करोड़ लोग हुए संक्रमित

चीन में एक दिसंबर से 20 दिसंबर के बीच कोरोना वायरस संक्रमण से 25 करोड़ लोग

संक्रमित हुए है। इसकी जानकारी नेशनल हेल्थ कमीशन की तरफ से लीक हुए एक दस्तावेज के आधार पर हुई है। बता दें कि आंकड़ों के मुताबिक चीन की कुल 17.56 प्रतिशत आबादी कोरोना वायरस संक्रमण का शिकार हो गई है।

इस कारण हालत बिगड़ी

बता दें कि चीन में लंबे समय से जीरो कोविड पॉलिसी का पालन किया जा रहा था। इस पॉलिसी के कारण चीन की सरकार को जनता का काफी विरोध प्रदर्शन झेलना पड़ रहा था। इस कारण चीन सरकार ने दिसंबर महीने की शुरुआत में जीरो कोविड पॉलिसी में ढील दी थी, जिसके कुछ ही समय में चीन में हालत फिर से बेकाबू हो गए। माना जा रहा है कि चीन में कोरोना वायरस ओमिक्रॉन का सब वेरिएंट बीएफ 7 कहर बनकर टूटा है।

ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन-यूएमएल के समर्थन से प्रचंड बनेंगे नेपाल के नये प्रधानमंत्री

काठमांडू (एजेंसी)। विपक्षी सीपीएन-यूएमएल और अन्य छोटे दल रविवार को नाटकीय घटनाक्रम में सीपीएन-माओवादी सेंटर (सीपीएन-एमसी) के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड को अपना समर्थन देने पर सहमत हो गये और इसके साथ ही प्रचंड के नेपाल के अगले प्रधानमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया। पूर्व प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन-यूएमएल, सीपीएन-एमसी, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) और अन्य छोटे दलों की एक महत्वपूर्ण बैठक यहां हुई, जिसमें सभी दल प्रचंड के नेतृत्व में सरकार बनाने पर सहमत हुए। सीपीएन-एमसी महासचिव देब गुरुंग ने बताया कि सीपीएन-यूएमएल, सीपीएन-एमसी और अन्य दल संविधान के अनुच्छेद 76(2) के तहत 165 सांसदों के हस्ताक्षर के साथ राष्ट्रपति कार्यालय शीतलनिवास जाकर प्रचंड के प्रधानमंत्री पद की दावेदारी पेश करने को तैयार हैं।

गुरुंग ने बताया कि राष्ट्रपति को सौंपने के लिए एक समझौता पत्र भी तैयार किया जा रहा है। ओली के आवास बालकोट में आयोजित बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री ओली के अलावा प्रचंड, आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के प्रमुख राजेंद्र लिंगडेन, जनता समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अशोक राय सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। प्रचंड और ओली के बीच बारी-बारी से (रोटेशन के आधार पर) सरकार का नेतृत्व करने के लिए सहमति बनी है और प्रचंड को पहले प्रधानमंत्री बनाने पर ओली ने अपनी रजामंदी जताई है। नये गठबंधन को 275-सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 165 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है, जिनमें सीपीएन-यूएमएल के 78, सीपीएन-एमसी के 32, आरएसपी के 20, आरपीपी के 14, जेएसपी के 12, जनमत के छह और नागरिक उन्मुक्ति पार्टी के तीन सदस्य शामिल हैं।

सीपीएन-यूएमएल के महासचिव शंकर पोखरेल ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, ''सबसे बड़ी पार्टी के रूप में नेपाली कांग्रेस राष्ट्रपति की ओर से दी गई समय सीमा के भीतर संविधान के अनुच्छेद 76(2) के अनुसार अपने नेतृत्व में सरकार बनाने में विफल रही। अब सीपीएन-यूएमएल ने 165 सांसदों के समर्थन से प्रचंड के नेतृत्व में नयी सरकार बनाने की पहल की है।'' इससे पहले, आज सुबह प्रधानमंत्री एवं नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और सीपीएन-एमसी के बीच सत्ता-साझेदारी पर सहमति न बन पाने के बाद प्रचंड पांच दलों के गठबंधन से बाहर आ गये थे, क्योंकि देउबा ने पांच-वर्षीय कार्यकाल के पूर्वार्द्ध में प्रधानमंत्री बनने की प्रचंड की शर्त खारिज कर दी थी। देउबा और प्रचंड पहले बारी-बारी से नयी सरकार का नेतृत्व करने के लिए मौन सहमति पर पहुंचे थे। माओवादी सूत्रों ने बताया कि रविवार सुबह प्रचंड के साथ बातचीत के दौरान नेपाली कांग्रेस (नेकां) ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों प्रमुख पदों के लिए दावा किया था, जिसे प्रचंड ने खारिज कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप वार्ता विफल हो गई। नेकां ने माओवादी पार्टी को अध्यक्ष (स्पीकर) पद की पेशकश की, जिसे प्रचंड ने खारिज कर दिया। इससे पहले दिन के पूर्वार्द्ध में सीपीएन-एमसी के सचिव गणेश शाह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, अब गठबंधन टूट गया है, क्योंकि देउबा और प्रचंड के बीच अंतिम समय में हुई बातचीत बेनतीजा रही। प्रधानमंत्री देउबा के साथ बातचीत विफल होने के बाद प्रचंड प्रधानमंत्री बनने के लिए समर्थन मांगने के

वास्ते सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष के. पी. शर्मा ओली के निजी आवास पहुंचे, जिसमें अन्य छोटे दलों के नेताओं ने भी हिस्सा लिया।

प्रतिनिधिसभा में 89 सीट के साथ नेपाली कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है, जबकि सीपीएन-यूएमएल और सीपीएन-एमसी के पास क्रमश: 78 और 32 सीट हैं। प्रचंड के अलावा जनता समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष उपेंद्र यादव, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष राजेंद्र लिंगडेन और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने भी संयुक्त बैठक में भाग लेने के लिए ओली के आवास पर पहुंचे थे। दो सौ पचहत्तर सदस्यों वाली प्रतिनिधि सभा में किसी भी दल के पास सरकार बनाने के लिए अकेले के दम पर आवश्यक 138 सीट नहीं हैं। संविधान के अनुच्छेद 76(2) के तहत गठबंधन सरकार बनाने के लिए राजनीतिक दलों को राष्ट्रपति बिद्या भंडारी द्वारा दी गई समय सीमा रविवार शाम को समाप्त हो रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रपति मुर्मू कल से तेलंगाना के पांच दिवसीय दौरे पर

हैदराबाद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तेलंगाना के पांच दिवसीय दौरे पर कल यानी 26 दिसंबर को यहां पहुंचेंगी। तेलंगाना के मुख्य सचिव सोमेश कुमार ने कहा कि राज्य के पांच दिन के प्रवास के दौरान राष्ट्रपति रामप्पा और भद्रचलम मंदिरों का दौरा करेंगी और साथ ही शहर के स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगी। वह कान्हा शांति वनम में श्री रामचंद्र मिशन द्वारा फतेहपुर के श्री रामचंद्रजी महाराज के 100 वर्ष के जश्न समारोह में 'हर दिल ध्यान, हर दिन ध्यान' अभियान की पट्टिका के अनावरण कार्यक्रम में भी भाग लेंगी। सोमेश कुमार ने अधिकारियों को राष्ट्रपति के दौरे के लिए व्यापक इंतजाम करने और मिलकर काम करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर सुरक्षा के बहु-स्तरीय इंतजाम किए गए हैं। पुलिस ने 26 से लेकर 30 दिसंबर तक कुछ मार्गों पर पाबंदियों और मार्ग परिवर्तन की भी घोषणा की है।

शीतलहर की चपेट में उत्तर भारत के कई राज्य

नई दिल्ली। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की वजह से उत्तर भारत में ठंड अचानक बढ़ गई है। दिल्ली-एनसीआर हरियाणा राजस्थान यूपी में शनिवार शाम से ही तेज हवाएं चलने लगी जिससे तापमान में और गिरावट हुई। वहीं सुबह कोहर के के कारण यातायात भी काफी प्रभावित हुई है। राजधानी में विजिबिलिटी 100 मीटर रह गई। डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। जबकि शनिवार को यानी एक दिन पहले ये पांच डिग्री था मौसम विभाग ने शनिवार देर शाम जारी रिपोर्ट में अलर्ट किया है कि रविवार और सोमवार (25-26) दिसंबर को राजधानी दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर शीत लहर चलेगी। दो दिनों में पारा 4 डिग्री पर आ सकता है। 30 दिसंबर तक मौसम का पूर्वानुमान भी जारी किया है लेकिन दो दिन ज्यादा सतर्क रहना होगा। आईएमडी वेदर के मुताबिक 25 दिसंबर को आसमान में आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कोहरा रह सकता है। कोल्ड वेव की स्थिति राजधानी में ज्यादातर जगहों पर बनी रहेगी। इसी तरह 26 दिसंबर को भी आसमान साफ रहेगा। आईएमडी ने बताया कि पंजाब उत्तरी राजस्थान हरियाणा और दिल्ली के आसमान में कोहरे की मोटी परत दिखाई दी। वहीं बिहार के कुछ भाग में भी कोहरा छाया रहा जबकि उत्तर प्रदेश के ज्यादातर हिस्से कोहरे से मुक्त रहे। कश्मीर में कड़ाके की ठंड बढ़ती जा रही है और घाटी के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। अधिकारियों ने कहा कि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान (-5.4) डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि वार्षिक अमरनाथ यात्रा के एक आधार शिविर पहलगाम में न्यूनतम तापमान-6.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उत्तरी कश्मीर में बारामुला जिला स्थित पर्यटन स्थल गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 6.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

कोविड के मामलों में वैश्विक वृद्धि केंद्र ने राज्यों को किया अलर्ट

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कोरोना संक्रमण के फैलाव को लेकर अलर्ट रहने को कहा है। मंत्रालय ने कहा है कि वे कोविड-19 के मामलों में तेजी से वृद्धि होने की किसी भी स्थिति में चिकित्सकीय देखभाल की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए मंगलवार को सभी अस्पतालों में 'मॉक ड्रिल' करें। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने शनिवार को राज्यों को लिखे एक पत्र में कहा कि कई देशों में कोविड के मामले बढ़ने के मद्देनजर यह आवश्यक है कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी राज्यों में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में आवश्यक उपाय किए जाएं। भूषण ने कहा कि कोविड के मामलों में वृद्धि होने की स्थिति में सभी जिलों में इससे निपटने के लिए अस्पतालों में पूरी तैयारी की जाए। उन्होंने पत्र में कहा ''इसलिए मंगलवार (27 दिसंबर) को देश भर में सभी अस्पतालों (चिन्हित कोविड समर्पित स्वास्थ्य संस्थानों सहित) में मॉक ड्रिल करने का निर्णय लिया गया है।'' स्वास्थ्य सचिव ने कहा ''इस अभ्यास का उद्देश्य कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए इन स्वास्थ्य संस्थानों की परिचालन तैयारियां सुनिश्चित करना है।'' पत्र में कहा गया है ''राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से करीबी परामर्श कर संबद्ध जिलाधिकारियों के संपूर्ण दिशा निर्देश के तहत मॉक ड्रिल किया जाए।

विदेशी निवेशक हुए मेहरबान दिसंबर में अब तक किया 11557 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक यानी एफपीआई फिर भारतीय शेयर बाजारों में लौटने लगे हैं। चीन सहित कुछ अन्य देशों में कोविड संक्रमण फिर से फैलने और शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद विदेशी निवेशकों ने दिसंबर में अब तक भारतीय इक्विटी में शुद्ध रूप से 11557 करोड़ रुपये का निवेश किया है। बाजार जानकार ने कहा कि आने वाले दिनों में अमेरिका के व्यापक आर्थिक आंकड़े और कोविड संक्रमण की स्थिति से बाजार की चाल निर्धारित होगी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 1-23 दिसंबर के दौरान इक्विटी में 11557 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। इससे पहले एफपीआई ने नवंबर में 36200 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश किया था। एक अन्य बाजार जानकार के मुताबिक बाजारों में गिरावट और कोविड संक्रमण को लेकर आशंकाओं के बावजूद एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों में (दिसंबर में) शुद्ध खरीदार बने रहे। उन्होंने कहा कि 23 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में नेट फ्लोज की मात्रा कम हुई जो दर्शाता है कि हाल के घटनाक्रमों और अनिश्चितताओं को देखते हुए विदेशी निवेशक धीरे-धीरे सतर्क हो रहे हैं।

केरल में बर्ड फ्लू का खतरा कोट्टायम में 6000 से ज्यादा पक्षियों को मारा गया

तिरवंतनमपुरम। केरल के कोट्टायम जिले की तीन अलग-अलग पंचायतों में बर्ड फ्लू फैलने की पुष्टि हुई है। इन क्षेत्रों में 6000 से अधिक पक्षियों को मारा गया है। जिला प्रशासन की ओर से कहा गया है कि कोट्टायम की वेचुर नीनदूर और अरपुकारा पंचायतों में शनिवार को कुल 6017 पक्षी मारे गए जिनमें ज्यादातर बतख शामिल थीं। विज्ञप्ति के मुताबिक बर्ड फ्लू फैलने की आशंका के कारण वेचुर में लगभग 133 बतख और 156 मुर्गियों नींदूर में 2753 बतख और अर्पुकारा में 2975 बतख को मार दिया गया। बर्ड फ्लू या एवियन इन्फ्लूएंजा एक अत्यधिक संक्रामक जूनोटिक (पशु-पक्षियों से फैलने वाला) बीमारी है। इस बीच लक्षद्वीप प्रशासन ने केरल में बर्ड फ्लू के कथित प्रकोप के कारण राज्य से फ्रोजन चिकन के परिवहन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

लखनऊ में घने कोहरे में नहीं दिखाई दिया मोड़ सीधे नाले में जा गिरी तेजरफ्तार कार 4 युवकों की मौत

-सीएम योगी ने ह्रादसे पर जताया दु :ख घायल के समुचित उपचार के दिए निर्देश

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में रविवार सुबह घने कोहरे की वजह से हुए दर्दनाक सड़क हादसे में चार दोस्तों की मौत हो गई है। घने कोहरे की वजहब से कार चला रहे युवक को मोड़ नहीं दिखाई दिया और कार सीधे बड़े से नाले में जा गिरी। जिस समय यह हादसा हुआ उस समय कुल 5 लोग कार में बैठे थे। हादसे में चार युवकों की मौत हो गई जबकि पांचवां गंभीर रूप से घायल हो गया है। इस दर्दनाक हादसे पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने शोक प्रकट किया है। साथ ही घायल के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने बताया कि सैरपुर की उर्दू-फारसी चौकी क्षेत्र में हुए हादसे में सरकारी नंबर की मारुति एस्टीम कार में सवार पांच दोस्त बीकेटी की तरफ जा रहे थे। उस समय घना कोहरा छाया हुआ था और विजिबिलिटी बहुत कम थी। लहरपुर गांव के करीब पहुंचने पर एक मोड़ आया लेकिन कोहरे की वजह से वह कार चालक को नहीं दिखाई दिया और कार सीधे नाले में जा गिरी। नाले में गिरने के बाद कार के दरवाजे लॉक हो गए। कार नाले में डूब गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कार को बाहर निकाला और पांचों युवकों को लखनऊ केजीएमयू ट्रामा सेंटर भेजा। जहां चिकित्सकों ने पांच में से चार युवकों संदीप निखिल शुक्ला अंकित श्रीवास्तव और राकेश को मृत घोषित कर दिया जबकि सत्यम पांडे की हालत गंभीर है। उसका केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में इलाज किया जा रहा है। एडीसीपी उत्तरी लखनऊ अभिजीत आर शंकर ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त कार उपभोक्ता फोरम के रिटायर्ड जज के ड्राइवर अमरनाथ यादव की है। हादसे में उनके बेटे संदीप और उसके दोस्तों की मौत हुई है।

राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति प्रधानमंत्री और लोकसभा स्पीकर ने दी वाजपेयी को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली(ईएमएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटलबिहारी वाजपेयी की 98वीं जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति प्रधानमंत्री एवं लोकसभा अध्यक्ष समेत अनेक नेताओं ने राजघाट के समीप श्री वाजपेयी के समाधिस्थल सदैव अटल पर जाकर वाजपेयी को श्रद्धासुमन अर्पित किये।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने ट्वीटर पर कहा कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी सबसे सम्मानित नेताओं और राजनेताओं में से एक थे जिन्हें लोकतंत्र समावेशिता और प्रगति के प्रति उनकी मजबूत प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ट्वीट में कहा कि अटल जी की जयंती पर उन्हें शत शत नमन। भारत के लिए उनका योगदान अमिट है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज पंडित मदनमोहन मालवीय की जयंती पर उन्हें भी श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने ट्वीट करके कहा मां भारती की महान संतान महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि।

लोकसभा अध्यक्ष ने अपने ट्वीट में श्री वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर शत-शत नमन। राजनीति में नैतिकता के सर्वोच्च मानदंड स्थापित करने वाले अटल जी ने अपना संपूर्ण जीवन देश को नए क्षितिज पर ले जाने को समर्पित किया।

श्री बिरला ने भी पंडित मदनमोहन मालवीय को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा महान स्वतंत्रता सेनानी राजनीतिज्ञ और शिक्षाविद महामना पं. मदन मोहन मालवीय जी की जयंती पर भावपूर्ण स्मरण। अपनी सशक्त लेखनी से उन्होंने सामाजिक विषमताओं को दूर कर राष्ट्रवादी भावना को मजबूत करने के महती प्रयास किए।

शीतकालीन सत्र में विपक्ष सरकार को चीनी मुद्दे पर चर्चा के लिए राजी नहीं कर सका

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में समाप्त हुए संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्ष तमाम कोशिशों के बाद भी सरकार को चीनी अतिक्रमण के मुद्दे पर चर्चा के लिए राजी नहीं कर सका। लोकसभा में नियमित स्थगन नोटिस को अध्यक्ष ने खारिज कर दिया और राज्यसभा में कार्य के निलंबन को भी अध्यक्ष ने स्वीकार नहीं किया। कांग्रेस सरकार को बेनकाब करने के लिए इस मुद्दे पर चर्चा के लिए जोर दे रही है।

इस बार उच्च सदन में नए सभापति के साथ विपक्ष कुछ मौकों को छोड़कर स्थगन के लिए दबाव नहीं डाल सका। इसी तरह का पैटर्न निचले सदन में भी दोहराया गया। यह पहली बार नहीं है लेकिन पूरे सत्र के दौरान विपक्ष कुछ मौकों को छोड़कर किसी भी मामले पर चर्चा शुरू करने के लिए सरकार पर दबाव नहीं बना सका।

साल में कई बार विपक्ष ने सरकार को घेरने की संयुक्त रणनीति अपनाई लेकिन अंत में ऐसा नहीं हो पाया। शशि थरूर ने कहा कि बेरोजगारी महंगाई जैसे कई अहम मुद्दों पर सदन में चर्चा नहीं हो सकी।

शीतकालीन सत्र विवाद का नया कारण बन गया क्योंकि विपक्ष अब आरोप लगा रहा है कि सरकार ने सत्र को छोटा कर दिया और इसे देर से शुरू किया गया था।

जबकि संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि जब से मोदी सरकार सत्ता में आई है विपक्ष नकारात्मक आचरण कर रहा है। सरकार ने उत्पादकता पर जोर दिया कि संसद अधिक काम कर रही है। विपक्ष ने जोर देकर कहा कि सरकारी काम उत्पादकता नहीं बल्कि लोगों के मुद्दों पर चर्चा करना उत्पादकता है।

उन्होंने बताया कि सरकार और अध्यक्ष ने उत्पादकता को एक उपलब्धि के रूप में सूचीबद्ध किया है। राज्यसभा की उत्पादकता 103 प्रतिशत थी जबकि लोकसभा के लिए यह 97 प्रतिशत थी। सत्र के दौरान 17 दिनों की अवधि में 13 बैठकें हुईं।

शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर को शुरू हुआ और 23 दिसंबर को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था।

जोशी ने आगे बताया कि सत्र के दौरान लोकसभा में नौ विधेयक पेश किए गए और सात विधेयक पारित किए गए। राज्यसभा ने नौ विधेयक पारित किए। सत्र के दौरान दोनों सदनों द्वारा पारित कुल विधेयकों की संख्या नौ थी। संसद का मानसून सत्र भी अपने निर्धारित समापन से चार दिन पहले समाप्त हो गया लोकसभा और राज्यसभा दोनों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। सत्र जो 18 जुलाई को शुरू हुआ था 12 अगस्त तक चलने वाला था लेकिन 8 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 17वीं लोकसभा के नौवें सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले कहा था कि सदन की बैठक 16 दिनों तक चली जिसमें सात विधेयक पारित हुए।

राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने उच्च सदन को स्थगित कर दिया था सत्र के दौरान कांग्रेस ईडी के खिलाफ लड़ रही थी। कांग्रेस के मुख्य सचेतक के रूप में जयराम रमेश ने कहा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह सही समय है कि दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारी विचार-विमर्श करें और सुनिश्चित करें कि इस तरह सांसदों के अपमान की पुनरावृत्ति नहीं हो। लोकसभा में बजट सत्र की कार्यवाही निर्धारित समय से एक दिन पहले ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। सत्र में किए गए कार्यों के बारे में सदस्यों को जानकारी देते हुए अध्यक्ष ने कहा कि 17वीं लोकसभा के आठवें सत्र की कुल उत्पादकता 129 प्रतिशत रही।

26 जनवरी को देशभर में ट्रैक्टर मार्च निकालने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा की राष्ट्रीय बैठक करनाल के गुरुद्वारा डेरा कार सेवा में आज संपन्न हुई। बैठक में 26 जनवरी को देशभर में ट्रैक्टर रैली निकालकर जिलाधीश को ज्ञापन देने तथा हरियाणा के जींद में विशाल किसान महापंचायत करने का निर्णय लिया गया। 26 जनवरी के कार्यक्रमों के माध्यम से संयुक्त किसान मोर्चा केंद्र सरकार द्वारा किसानों के खिलाफ 26 जनवरी 2021 को किए गए षडयंत्र और हिंसा की जानकारी किसानों को देगा तथा किसानों की एकजुटता प्रदर्शित करते हुए एमएसपी की कानूनी गारंटी सम्पूर्ण कर्जा मुक्ति 50 बीमा राशि दिलाने कृषि भूमि के अधिग्रहण पर रोक लगाने लखीमपुर खीरी किसान हत्याकांड के षड्यंत्रकर्ता केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के इस्तीफे दिल्ली में किसानों पर दर्ज किए गए फर्जी मुकदमों को रद्द करने की मांग के साथ साथ स्थानीय मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि जिला स्तर पर किसान संगठन गणतंत्र दिवस पर राष्ट्र ध्वज फहराने के शासकीय कार्यक्रम के बाद ट्रैक्टर रैली निकालेंगे। बैठक में संसद के बजट सत्र के दौरान किसानों के संसद मार्च निकालने का निर्णय लिया गया जिसकी मार्च माह में तारीख का ऐलान 26 जनवरी को जींद में किया जाएगा। जिसमें सरकारों द्वारा किसानों के खिलाफ लगाए जा रहे फर्जी मुकदमें वापस लेने तथा पुलिस दमन बंद करने की मांग की गई। संयुक्त किसान मोर्चा ने देश भर में चल रहे किसान आंदोलनों का समर्थन किया। पंजाब में संयुक्त किसान मोर्चा का समर्थन करने वाले कलाकारों कंवर ग्रेवाल और रंजीत बाबा के खिलाफ सरकार द्वारा की जा रही छापे की कार्रवाई की निंदा की गई तथा मलब्रोस इंटरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड की शराब फैक्ट्री बंद करने के लिए 5 महीने से चल रहे आंदोलन का समर्थन करने की घोषणा की गई। साथ ही मोर्चा ने मध्यप्रदेश के रीवा जिले में 80 दिन से चल रहे सूअर पालकों के आंदोलन को भी समर्थन किया है। संयुक्त किसान मोर्चा ने हरियाणा के किसानों की कृषि उपज पर अतिरिक्त मंडी शुल्क थोपने तथा केंद्र सरकार द्वारा इलेक्ट्रिसिटी बिल संसद में पेश करने का विरोध करते हुए इसे किसानों के साथ धोखा बताया। मोर्चा की मार्गदर्शिका तय करने के लिए 9 फरवरी को कुरुक्षेत्र में बैठक करने का निर्णय लिया गया। इस बैठक संचालन मंडल अध्यक्ष द्वारा किया गया। जिसमें पंजाब से जोगिंदर सिंह उग्रहां केरल से बीजू कृष्णन राजस्थान से रंजीत राजू मध्य प्रदेश से डॉ सुनीलम आंध्र प्रदेश से राऊला वेंकैया और मध्यप्रदेश के डॉ सुनीलम शामिल थे।

ब्रेकअप की वजह से टेंशन में आकर तुनिषा शर्मा ने लगाई फांसी : मुंबई पुलिस

- तुनिषा का ब्यॉय फ्रेंड शीजान खान गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। टीवी एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा सुसाइड केस में अली बाबा दास्तान ए काबुल के अभिनेता शीजान मोहम्मद खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट ने उसे 4 दिन के लिए यानी 28 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है. रविवार को सहायक पुलिस आयुक्त चंद्रकांत जाधव ने तुनिषा शर्मा केस को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की है जिसमें उन्होंने बताया कि मौत की वजह ड्यू टू हैंगिंग है. उन्होंने आगे बताया कि जेजे अस्पताल में हुए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि डेथ ड्यू टू हैंगिंग है. लव जेहाद जैसी बात अभी सामने नहीं आई है. शीजान और तुनिषा रिलेशनशिप में थे. ब्रेकअप होने के वजह से तुनिषा ने तनाव में आकर आत्महत्या की है. अभी जांच चल रही है और आत्महत्या की सही वजह का पता लगाया जा रहा है. शीजान मोहम्मद खान से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है. बता दें कि रविवार को शीजान मोहम्मद खान को पुलिस ने मुंबई से सटे वसई कोर्ट में पेश किया जहां पुलिस की ओर से शीजान की रिमांड मांगी गई क्योंकि शीजान अब तक पुलिस की जांच पड़ताल में अधिक सहयोग नहीं कर रहे हैं. कोर्ट के आदेश के अनुसार शीजान मोहम्मद खान को 28 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है. इसके तहत 4 दिनों तक पुलिस कस्टडी में शीजान मोहम्मद खान से तुनिषा शर्मा के सुसाइड केस को लेकर पूछताछ की जाएगी. मालूम हो कि तुनिषा की मां ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि शीजान मोहम्मद खान से ब्रेकअप के बाद उनकी बेटी परेशान रहने लगीं थीं और शनिवार को तंग आकर आखिरकार उसने आत्महत्या को गले लगा लिया. आपको बता दें कि तुनिषा शर्मा की मौत की खबर ने हर किसी को हैरान कर दिया है. शनिवार को तुनिषा का शव एक सीरियल के सेट पर मेकअप रूम के अंदर फांसी के फंदे पर लटका हुआ पाया गया था. बताया जा रहा है कि डिप्रेशन के चलते तुनिषा ने आत्महत्या का गले लगाया है. इस मामले में शीजान मोहम्मद के खिलाफ एक्ट्रेस को सुसाइड के लिए उकसाने के आरोप में एफआईआर भी दर्ज की गई है.

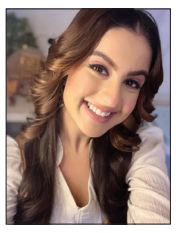

तवांग सेक्टर में मुंह की खाने के बाद बातचीत के रास्ते पर ड्रैगन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में एलएसी पर 9 दिसंबर को भारत और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। दरअसल चीन की पीएलए ने सीमा पर एकतरफा यथास्थिति बदलने का प्रयास किया था जिसका भारतीय सैनिकों ने मुंहतड़ जवाब देकर उन्हें पीछे जाने पर मजबूर कर दिया। यह लगातार दूसरी बार है जब चीन को मुंह की खानी पड़ी है। वहीं झड़प के बाद चीनी विदेश मंत्री ने अपने बयान में कहा कि वह भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।

चीन ने कहा है कि वह चीन-भारत संबंधों को स्थिर और मजबूत विकास की दिशा में भारत के साथ काम करने को तैयार है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा हम चीन-भारत संबंधों के स्थिर और मजबूत विकास की दिशा में भारत के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों ने राजनयिक चैनलों के माध्यम से संचार बनाए रखा है और सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह बयान भारत और चीन द्वारा 20 दिसंबर को 17वीं कमांडर-स्तरीय वार्ता आयोजित करने और पश्चिमी क्षेत्र में जमीन पर सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत होने के बाद आया है।

वहीं विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा अंतरिम समय में दोनों पक्ष पश्चिमी क्षेत्र में जमीन पर सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत हुए हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष निकट संपर्क में रहने और सैन्य और राजनयिक चैनलों के माध्यम से बातचीत बनाए रखने वाले हैं। साथ ही जल्द से जल्द शेष मुद्दों के समाधान पर काम करने पर सहमत हैं।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा से दिल्ली कांग्रेस में जागी उम्मीद आने वाले चुनाव में बेहतर करेगी पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से दिल्ली कांग्रेस के नेताओं को भी उम्मीद जगी है कि दिल्ली में पार्टी का प्रदर्शन बेहतर हो सकता है। पहले विधानसभा फिर लोकसभा और निगम चुनाव में हार के बाद भी दिल्ली कांग्रेस के नेताओं को आखिर यह उम्मीद क्यों नजर आ रही है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिल्ली में शनिवार कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की तीन पीढ़ियों के नेता एक साथ सड़क पर नजर आए। दिग्विजय सिंह पी चिदंबरम जयराम रमेश और गांधी परिवार के सदस्यों के अलावा भारत जोड़ो यात्रा के दिल्ली में आने के बाद इसमें पूर्व सांसद जय प्रकाश अग्रवाल पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय माकन थे। वहीं दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा और अरविंदर सिंह लवली समेत कई और पूर्व विधायक शामिल थे। इसके साथ ही पार्टी के युवा चेहरे जिसमें प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी उपाध्यक्ष अभिषेक दत्त मुकुल अग्रवाल अली मेहदी और महिला नेता अलका लांबा और अमृता धवन शामिल थीं।

दरअसन कांग्रेस ने हाल ही में निकाय चुनावों में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया तब इसके पीछे पार्टी में गुटबाजी अहंकार की लड़ाई और संसाधनों की कमी को कारण बताया गया। दिल्ली में पिछले दो लोकसभा और विधानसभा चुनावों में एक भी सीट हासिल करने में विफल रहने के बाद कांग्रेस नेताओं को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से उम्मीद बढ़ी है। दिल्ली कांग्रेस के उपाध्यक्ष दत्त ने कहा कि हर कोई जिसने कांग्रेस को वोट दिया सभी कार्यकर्ता जिन्होंने लगातार 15 साल तक कांग्रेस को सत्ता में रखना संभव बनाया वह राहुल गांधी को देखने आए। वहीं दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष चोपड़ा ने कहा कि राहुल का मार्च कांग्रेस में लोगों के विश्वास और उनके प्रति उनके समर्थन को दर्शाता है। उन्होंने कहा पार्टी यहां से और मजबूत होगी। हां हम एक बुरे दौर से गुजर रहे हैं लेकिन लोगों ने राहुल गांधी को जिस तरह का प्यार दिया है मुझे विश्वास है कि हम अब बेहतर करने वाले हैं।

उत्तर प्रदेश: गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को मान्यता देने की प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में निजी मदरसों की सर्वेक्षण रिपोर्ट मिलने के बाद उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के प्रमुख ने कहा है कि एक बार फिर गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को मान्यता देने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष डॉक्टर इफ्तिखार अहमद जावेद ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सर्वेक्षण में गैर मान्यता प्राप्त पाए गए करीब 8500 मदरसों के लिए शासन की अनुमति से मान्यता की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा, ''जो लोग मदरसा बोर्ड से मान्यता चाहते हैं उन्हें इसके लिए आवेदन करना होगा।'' जावेद ने कहा कि मान्यता मिलने से मदरसों के साथ-साथ छात्रों को भी फायदा मिलेगा क्योंकि तब उन्हें मिलने वाली डिग्री मदरसा बोर्ड उपलब्ध कराएगा, जिनकी व्यापक मान्यता होती है। उन्होंने कहा, ''उत्तर प्रदेश में 10 सितंबर से 15 नवंबर तक हुए सर्वेक्षण में 8500 मदरसे गैर मान्यता प्राप्त पाए गए थे। इन मदरसों को मान्यता देने की प्रक्रिया राज्य सरकार की अनुमति से फिर से शुरू की जाएगी। जो मदरसे बोर्ड से मान्यता लेना चाहते हैं वे इसके लिए आवेदन कर सकेंगे।''

टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया उत्तर प्रदेश के महासचिव दीवान साहब ज़मां खां ने कहा, ''वर्ष 2017 में राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार बनने के बाद मदरसा शिक्षा बोर्ड को भंग कर दिया गया था। उसके बाद अरसे तक बोर्ड में मान्यता समिति का गठन नहीं किया गया। यही वजह रही कि नए मदरसों को मान्यता देने का काम रुका रहा। अगर बोर्ड मदरसों को मान्यता देने का इरादा कर रहा है तो यह स्वागत योग्य है।'' नये मदरसों को अनुदान सूची में शामिल करने की प्रक्रिया दोबारा शुरू होने के बारे में पूछने पर मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष जावेद ने बताया कि इस बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। इस बीच, राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि सर्वेक्षण के बाद सरकार क्या कदम उठाएगी, इस बारे में विचार विमर्श के लिए इस माह के अंत तक विभाग की बैठक होनी है। उन्होंने कहा, ''जो भी निर्णय होगा वह मदरसों के सर्वश्रेष्ठ हित में होगा।'' मदरसों को सरकारी अनुदान सूची में फिर से शामिल करने की प्रक्रिया की संभावना के बारे में पूछे जाने पर अंसारी ने कहा कि इसे लेकर कोई भी निर्णय विभाग की बैठक में ही लिया जाएगा। गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा निजी मदरसों में छात्र-छात्राओं के लिए बुनियादी सुविधाओं, उन्हें पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम, मदरसों के वित्तीय स्रोतों तथा कई अन्य जानकारियां हासिल करने के लिए इसी साल 10 सितंबर से 15 नवंबर के बीच सर्वेक्षण कराया गया था। राज्य के सभी 75 जिलों में जिलाधिकारियों के माध्यम से सर्वेक्षण रिपोर्ट भेजी गई थी। सर्वेक्षण में पाया गया कि राज्य में 8500 मदरसे बिना मान्यता के संचालित किए जा रहे हैं। विपक्ष ने निजी मदरसों के सर्वेक्षण की कवायद की आलोचना करते हुए इसे मदरसों की आजादी छीनने और उन्हें निशाना बनाने की कोशिश करार दिया था।

हालांकि, सरकार ने इन आरोपों को गलत बताया था। मदरसों के वित्तपोषण के बारे में पूछे जाने पर मदरसा शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष जावेद ने कहा कि सर्वेक्षण के दायरे में लिए गए सभी मदरसों ने जकात और चंदे को अपना वित्तीय स्रोत बताया है। सर्वेक्षण के दौरान मदरसों में मूलभूत सुविधाओं तथा अन्य व्यवस्थाओं की क्या स्थिति पाई गई, इस पर मदरसा बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि सर्वेक्षण के दौरान आमतौर पर ज्यादातर मदरसों में व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई हैं। उन्होंने फिर स्पष्ट किया कि मदरसों का सर्वेक्षण सिर्फ सूचनाएं एकत्र करने के लिए कराया गया था। इसका मकसद मदरसों में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति के बारे में जानना था। जावेद ने कहा, ''जिलों से प्राप्त सर्वेक्षण रिपोर्ट के आकलन की प्रक्रिया अभी जारी है।'' इस बीच, सूत्रों के मुताबिक राज्य के मदरसों में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए पात्रता परीक्षा जरूरी करने पर भी विचार किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

131 में राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार का हुआ आयोजन

4 सूचना आयुक्तों ने एकबार पुनः आरटीआई कानून में डाटा बिल के माध्यम से दुष्प्रभाव भी संशोधन पर दर्ज कराई आपत्ति

पत्रकारिता के क्षेत्र से भी जुड़े लोगों ने आरटीआई कानून में दुष्प्रभावी संशोधन का किया विरोध।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रस्तावित डेटा बिल के माध्यम से आरटीआई कानून पर दुष्प्रभावी संशोधन को लेकर एक बार पुनः देश के जाने-माने चार सूचना आयुक्तों ने कमर कसी है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाने वाले आरटीआई वेबीनार के 131वें संस्करण में डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल 2022 के प्रस्तावित मसौदे में आरटीआई कानून की धारा 8(1)(जे) को हटाने और आरटीआई कानून पर सर्वोपरि प्रभाव रखने के विषय को लेकर जाने-माने सूचना आयुक्तों ने एक बार पुनः चिंता जाहिर की है और सरकार को एक बार पुनः लेख करने का आह्वान किया है। 131वें राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार में उपस्थित मुख्य अतिथियों के तौर पर पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त सत्यानंद मिश्रा, पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्तशैलेश गांधी, पूर्व हरियाणा राज्य सूचना आयुक्त भूपेंद्र धर्माणी, पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप सहित पत्रकारिता के क्षेत्र से भी वरिष्ठ पत्रकार, सामाजिक चिंतक आरटीआई एक्टिविस्टों ने हिस्सा लिया और प्रस्तावित डेटा बिल में आरटीआई कानून पर किए जाने वाले दुष्प्रभावी संशोधन को लेकर चिंता जाहिर की है।

आरटीआई कानून पर दुष्प्रभावी संशोधन न करे सरकार -पूर्व सीआईसी सत्यानंद मिश्रा

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए वरिष्ठ रिटायर्ड भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी एवं भारत के पूर्व मुख्य केंद्रीय सूचना आयुक्त सत्यानंद मिश्रा ने कहा की आरटीआई कानून में विभिन्न स्तर पर पहले ही संशोधन किए जा चुके हैं जिसकी वजह से आरटीआई कानून अपने वास्तविक स्वरूप में न रहकर काफी कमजोर हुआ है। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटक्शन बिल 2022 के प्रस्तावित मसौदे के माध्यम से यदि आरटीआई कानून में प्रस्तावित दुष्प्रभावी संशोधन किया जाता है तो इससे पारदर्शिता और जवाबदेही पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। हालांकि पूर्व मुख्य केंद्रीय सूचना आयुक्त ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में इंटरनेट डिजिटल डेटा की चुनौती को देखते हुए डेटा प्रोटेक्शन बिल लाया जाना भी आवश्यक है परंतु बिल में इस बात का आवश्यक तौर पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि उसे पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर बनाया गया सबसे सशक्त कानून सूचना का अधिकार कानून प्रतिकूल ढंग से प्रभावित न हो। पूर्व मुख्य केंद्रीय सूचना आयुक्त श्री मिश्रा ने कहा कि इस विषय पर सरकार को आपत्ति भेजी जानी चाहिए और वह इसमें सभी के साथ हैं।

आरटीआई कानून में संशोधन घातक इसे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा - शैलेश गांधी

कार्यक्रम में आरटीआई कानून के पक्ष में हमेशा ही मुखर रहने वाले पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्तशैलेश गांधी ने कहा कि सरकार द्वारा आरटीआई कानून में दुष्प्रभावी संशोधन नहीं करना चाहिए अन्यथा इससे आरटीआई कानून कमजोर होगा और देश में भ्रष्टाचार बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में धारा 8(1)(जे) में अपवाद के नाम पर आम नागरिक को जानकारियां हासिल नहीं हो रही हैं और यदि इसको प्रस्तावित संशोधन के माध्यम से कानूनी मान्यता मिल जाएगी और 8(1)(जे) को हटा दिया जाएगा तो ऐसे में 95 फीसदी से अधिक जानकारी निजी जानकारी के तौर पर लोक सूचना अधिकारी नागरिकों को देने से मना करेंगे और इससे उस जानकारी को भी वेब पोर्टल से हटाना पड़ेगा जो राजस्थान सहित देश में तमाम धारा 4 के तहत साझा की गई है क्योंकि सभी जानकारी निजी जानकारी की श्रेणी में आ जाएगी।

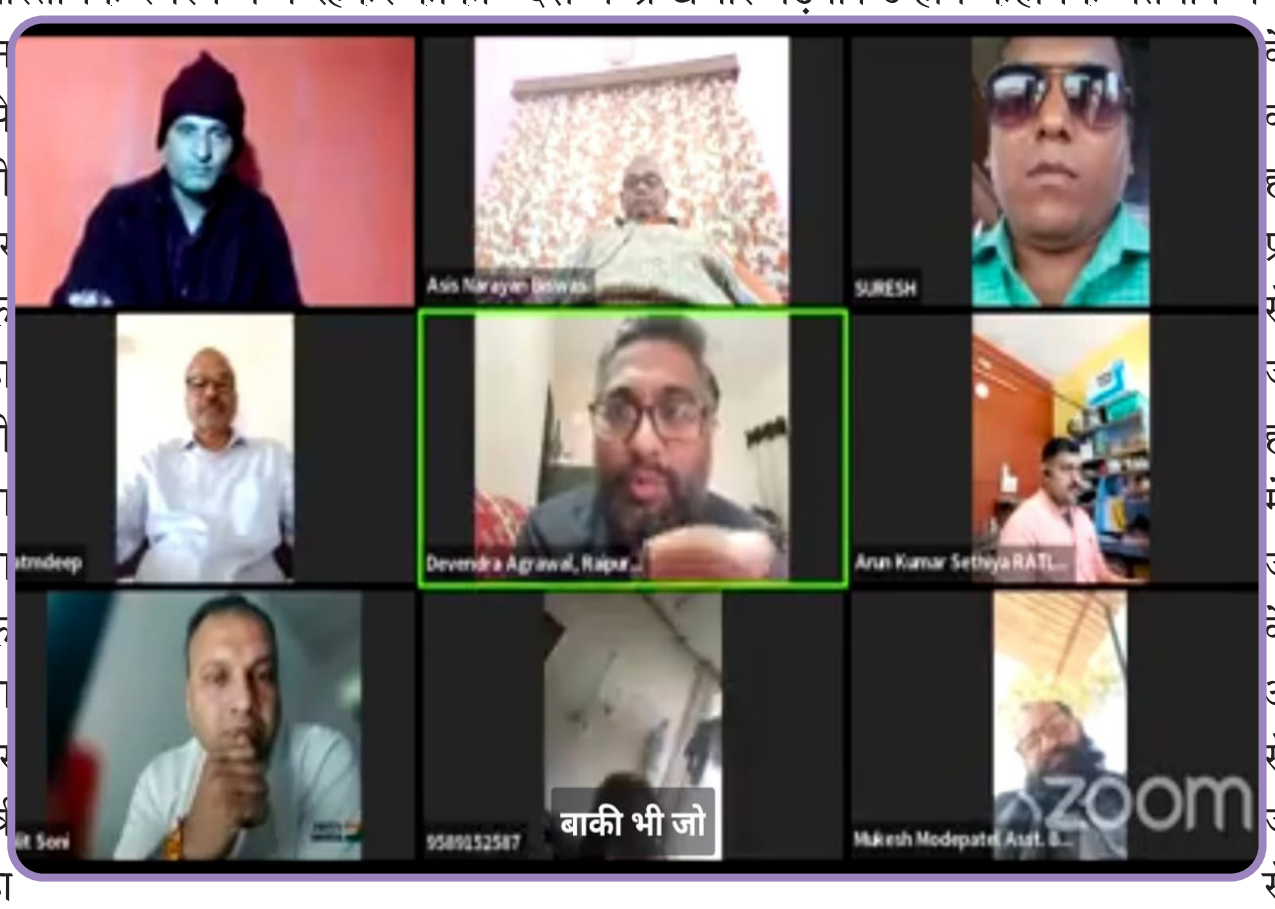

डेटा बिल आवश्यक लेकिन आरटीआई कानून के साथ समझौता स्वीकार नहीं - भूपेंद्र धर्माणी

उधर हरियाणा से पधारे पूर्व राज्य सूचना आयुक्त भूपेंद्र धर्माणी ने भी आरटीआई कानून के पक्ष में अपने विचार रखे। पत्रकारिता के क्षेत्र से जुड़े होने के कारण उन्होंने अपना अनुभव विस्तार से साझा किया और कहा की ब्यूरोक्रेसी नहीं चाहती कि कोई भी ऐसा कानून देश में रहे जिससे आम नागरिक सरकारी कामकाज और गलत ब्यूरोक्रेसी के विषय में जानकारी हासिल कर सवाल कर पाए।

इसीलिए नीतिगत मामलों में अपने गलत सुझावों के माध्यम से ब्यूरोक्रेसी और लालफीताशाही सरकार में बैठे मंत्रियों और नेताओं को भ्रमित कर पूरे सिस्टम में अपना कंट्रोल जमा कर रखना चाहते हैं। जिसका नतीजा यह है कि डेटा प्रोटक्शन बिल के नाम पर आरटीआई कानून को ही अब सरकार खत्म करने पर तुली है। इस विषय पर हम सभी को अपनी तरफ से एक मसौदा तैयार कर सरकार को सुझाव के तौर पर भेजा जाना चाहिए और आरटीआई कानून में किसी भी प्रकार से दुष्प्रभावी बदलाव न किया जाए इस विषय पर लेख किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम में पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्तआत्मदीप ने भी एक बार पुनः आरटीआई कानून के संशोधन का विरोध किया और उन्होंने कहा कि डेटा बिल भी आवश्यक है परंतु इस बात का ध्यान दिया जाना चाहिए कि आरटीआई कानून को कमजोर न किया जाए। आत्मदीप ने विस्तार से डेटा बिल के अन्य पहलुओं पर भी चर्चा की और यह भी बताने का प्रयास किया कि वर्तमान नेटवर्किंग के चुनौती में अपने डेटा को संरक्षित करना भी हमारी और सरकार की जिम्मेदारी है इसलिए कई मायनों में डेटा बिल आवश्यक है परंतु किसी दूसरे कानून और खास तौर पर पारदर्शिता के सबसे महत्वपूर्ण कानून आरटीआई के एवज में बिल्कुल नहीं होना चाहिए।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार कैलाश सनोलिया ने भी अपने विचार व्यक्त किया और कहा की प्रस्तावित डेटा बिल के माध्यम से आरटीआई कानून में संशोधन किया जाता है तो इससे पत्रकारिता पर भी बुरा प्रभाव पड़ेगा और जो जानकारी आसानी से प्राप्त हो जाया करती थी और तथ्यात्मक एवं खोजी पत्रकारिता के नाम पर प्रकाशित किया जाकर भ्रष्टाचार उजागर किया जाता था ऐसे में स्वाभाविक तौर पर वह जानकारी हमें हासिल नहीं हो पाएगी जिससे पत्रकारिता मात्र नेताओं की चाटुकारिता, लोकार्पण और सरकारी प्रचार प्रसार तंत्र का एक हिस्सा बन कर रह जाएगी और शायद सरकार यही चाहती हैं।